जितना अधिक वैक्सीनेशन, उतनी अधिक सुरक्षा-आप सुरक्षित, समाज सुरक्षित

-आचार्य राघवकीर्ति गणेश

RNI No. MPHIN/2007/22188

दैनिक राघवकीर्ति

वर्ष : 14, अंक : 180 | इंदौर, बुधवार, दिनांक 11 अगस्त 2021 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

लोकसभा से पारित हुआ ओबीसी आरक्षण बिल, राज्य तैयार कर सकेंगे जातियों की सूची, अब राज्यसभा में होगा पेश

नई दिल्ली/एजेंसी। राज्य सरकारों को ओबीसी आरक्षण के लिए जातियों की सूची तैयार करने का अधिकार देने वाले बिल पर लोकसभा ने मुहर लगा दी है। लोकसभा ने इस विधेयक को 386 मतों से पारित किया है, वहीं इसके खिलाफ कोई मतदान नहीं पड़ा। संविधान में 127वें संशोधन के लिए लाए गए विधेयक के तहत राज्यों को अपने मुताबिक ओबीसी आरक्षण के लिए सूची तैयार करने की ताकत मिलेगी।

अब इस बिल को राज्यसभा में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। उसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह देश भर में कानून के तौर पर लागू हो जाएगा। इस नए कानून से महाराष्ट्र समेत कई राज्यों को स्थानीय स्तर पर जातियों को ओबीसी आरक्षण की सूची में शामिल करने का मौका मिलेगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की ओर से मराठा आरक्षण

पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद यह फैसला लिया गया है। इस बिल पर बहस के दौरान कांग्रेस समेत कई दलों ने केंद्र सरकार से जाति आधारित जनगणना कराए जाने की भी मांग की है। इसके अलावा आरक्षण की सीमा को भी 50 फीसदी से ज्यादा किए जाने की मांग की है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी समेत कई नेताओं ने यह मांग की है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह समय की मांग है कि जाति आधारित जनगणना कराई जाए। यदि ऐसा आप नहीं कराते हैं तो फिर यूपी में समाजवादी सरकार बनाने के बाद हम ऐसा करेंगे।

जेडीयू ने भी दोहराई जातिवार जनगणना की मांग

यही नहीं बीजेपी को केंद्र और बिहार में समर्थन दे रही जेडीयू ने भी जातिवार जनगणना की मांग की है। संसद में जेडीयू के सांसद राजीव रंजन सिंह ने यह मांग दोहराई। इससे पहले जेडीयू के मुखिया और बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी कई बार ऐसी मांग कर चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आतंकवादियों का ग्रेनेड हमला, 5 लोग जख्मी

श्रीनगर/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के हरि सिंह हाई स्ट्रीट पर आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाते हुए ग्रेनेड से हमला किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दोपहर 2 बजकर 40 मिनट में एक संदिग्ध व्यक्ति ने एसएसबी के बंकर को निशाना बनाते हुए ग्रेनेड से हमला किया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के हरि सिंह हाई स्ट्रीट पर आतंकवादियों सुरक्षाकर्मियों पर ग्रेनेड फेंका। इस हमले में पांच नागरिक घायल हुए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्रेनेड हमले में जख्मी हुए स्थानीय नागरिकों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही ग्रेनेड हमला करने वालों की तलाश में इलाके में

घेराबंदी की गई है। गौरतलब है कि शोपियां जिले में मंगलवार तड़के सीआरपीएफ के सड़क सुरक्षा दल पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया, जिसमें एक जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि क्रालचेक पर आतंकवादियों ने सीआरपीएफ के सड़क सुरक्षा दल पर हमला किया।

राष्ट्रीय स्तर पर एनआरसी लागू करवाने का सरकार ने नहीं लिया अब तक कोई फैसला : नित्यानंद राय

नई दिल्ली/एजेंसी। मानसून सत्र के दौरान सरकार की तरफ से केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि फिलहाल सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एनआरसी

करवाने के बाबत कोई फैसला नहीं किया है। उनके मुताबिक फिलहाल सरकार का ऐसा कोई इरादा नहीं है। राय की तरफ से ये जवाब सांसद निलिख खड़से द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में दिया गया था। उन्होंने सरकार से जानना चाहा था कि क्या सरकार ने अनुसूचित जनजनजातियों का अधिकृत डेटाबेस तैयार करने के लिए अलग से एनआरसी करवाने का प्रस्ताव है या नहीं। इसके जवाब में राय का कहना था कि इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने बताया है कि अभी तक देश में अवैध रूप से रहने वाले शरणार्थियों का केंद्रीय स्तर पर कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। रोहिंग्या शरणार्थियों के भी देश की सीमा के अंदर घुसने की खबरें हैं। साथ ही ऐसी भी रिपोर्ट सामने आई हैं जिसमें ये गलत काम में संलिप्त हैं। इसको देखते हुए केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस दिशा में चौंकन्ना रहने को कहा है। केंद्र की तरफ से कहा गया है कि वो इन लोगों की पहचान के लिए कानून लागू करवाने वाली एजेंसियों के अलावा खुफिया एजेंसियों की भी मदद लेने को कहा है।

भाजपा पर लगातार हो रही धनवान

नयी दिल्ली/एजेंसी। चुनाव आयोग के 2019-20 के लिए जारी इलेक्टोरल बॉन्ड्स के आंकड़ों के अनुसार भाजपा ने तीन-चौथाई हिस्से पर कब्जा किया है। साल 2019-20 में कुल 3,355 करोड़ रुपए के इलेक्टोरल बांड बेचे गए थे। जिसका महज 9 फीसदी हिस्सा ही देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को मिला। जबकि वर्तमान समय की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के पास 74 फीसदी हिस्सेदारी रही। अंग्रेजी समाचार पत्र 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्टोरल बॉन्ड्स ने राजनीतिक पार्टियों के लिए सभी तरह के राजनीतिक धन के मार्गों को समाप्त कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पिछले कुछ सालों से इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए प्राप्त पारदर्शी चंदे के मामले में भाजपा पहले स्थान पर है। चुनाव आयोग के मुताबिक साल 2019-20 में भाजपा को 2,555 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। जबकि कांग्रेस को महज 318 करोड़ रुपए मिले। वहीं साल 2018-19 में कांग्रेस को इलेक्टोरल बांड्स के जरिए 383 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। लेकिन साल 2019-20 की बात करें तो पार्टी को कुल इलेक्टोरल बांड्स का 9 फीसदी हिस्सा प्राप्त हुआ। गौरतलब है कि साल 2018 में सरकार ने राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए इलेक्टोरल बांड्स की शुरुआत की थी।

आत्मविश्वास से ही आत्मनिर्भर होगा देश, तय समय के भीतर खोज रहे समाधान : प्रधानमंत्री मोदी

लखनऊ/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के महोबा में एलपीजी कनेक्शन सौंपकर उज्ज्वला योजना के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर छोटी सी फिल्म भी दिखाई गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बुंदेलखंड के महोबा से उज्ज्वला-2.0 योजना के वर्चुअल शुभारंभ के दौरान कहा कि पानी की तरह ही गैस भी अब हर घर की रसोई तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले 25 सालों में देश समर्थ व सक्षम होगा। इसमें बहनों की भूमिका अहम होगी। आत्मविश्वास से ही देश आत्मनिर्भर होगा। 2014 से पहले तक की सरकारों ने कुछ भी नहीं सोचा। उन्होंने तब सड़क, बिजली पानी, स्वास्थ्य, अस्पताल, स्कूल को लेकर सोचा और अब सात साल में मिशन मोड पर काम करके तय समय के भीतर समाधान खोज रहे हैं। रसोई ठीक होगी तो बेटियां घर से निकल राष्ट्रनिर्माण में सहयोगी बनेंगी। कृषि अवशेष से बायो फ्यूल के उप्र के बदायूं व गोरखपुर, पंजाब के भटिंडा में बनेंगे। इससे देश के विकास का इंजन दौड़ेगा। गोवर्धन योजना निराश्रित पशुओं से भी आमदनी का रास्ता खोलेगी। गांवों में घर-घर बायो गैस प्लांट बनेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना काल में फ्री गैस मां-बहनों तक पहुंची। छह-सात साल में 11 हजार नए एलपीजी वितरण केंद्र खोले गए। उत्तर प्रदेश में 2014 में ये केंद्र 2000 थे, जो अब 4000 से अधिक हो गए हैं। 2014 से पहले के वर्षों में जितने कनेक्शन दिए गए, उतने उनकी सरकार ने सात सालों में दिए।

।। जय गणेश ।।

आज का पंचांग

11 अगस्त 2021 बुधवार
विक्रम संवत् 2078
श्रावण शुक्लपक्ष तृतीया
सूर्योदय - प्रातः 05.55 बजे (उज्जैन)
सूर्यास्त - सायं 07.17 बजे
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी
पर्व - बुधवार व्रत, हरियाली तीज
दिशाशूल - उत्तर दिशा
आज दान योग्य - जरूरतमंद को फल-मिठाई भेंट करें। गाय को हरी घांस दें।
विशेष - श्रीशिव-पार्वती का पूजन करें। श्रीशिव का जलाभिषेक करें। श्रीशिवमहिम्न स्तोत्र का पाठ करें। विश्वकल्याण की प्रार्थना करें।

आचार्य राघवकीर्ति गणेश
9755910000
www.jyotishvastu.com

घर पर रहें - सुरक्षित रहें

एक आह्वान-एक निवेदन

आदरणीय स्नेही स्वजन
जय गणेश, जय हिन्द
आज से आप सभी शपथ लें कि
बिना मॉस्क कोई भी घर से बाहर नहीं निकलें, हाथ नहीं मिलाएं, गले नहीं मिलें, दो गज दूर खड़े रहकर बात करें और अपने परिवार के सदस्यों को भी बिना मास्क घर से बाहर नहीं निकलने दें।
हम सब मिलकर प्रयास करेंगे तो हम और हमारा परिवार सुरक्षित रहेगा!
ऐसा आपका एक छोटा-सा कदम हमारे परिवार, गाँव, शहर एवं भारत को सुरक्षित रखेगा!!
जो भी बिना मास्क के मिले, उसको हाथ जोड़कर मास्क लगाने का निवेदन अवश्य करें
और साथ ही **जिन्होंने अभी तक वैक्सीन नहीं लगवाई है, वो अवश्य लगवाए**
स्वस्थ परिवार के उज्जवल भविष्य के साथ...
एक कदम देश के स्वस्थ भविष्य की ओर ...
जय हिन्द

-आचार्य राघवकीर्ति गणेश
(ज्योतिष-वास्तु)
राष्ट्रीय संयोजक
भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)
9755910000
www.jyotishvastu.com

महत्वपूर्ण खबरें

गौतम गंभीर को भाजपा में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली/एजेंसी। हाल में ही पूर्वी दिल्ली से सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष के साथ भी मुलाकात की थी।

गुना की खबरें पढ़ें पृष्ठ 5 पर

सम्पादकीय

जब चुनाव जन्म लेता है तब कोरोना दम तोड़ देता है

देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य उत्तरप्रदेश जिसकी आबादी कई बड़े देशों से अधिक है, आबादी के अलावा कुछ साल पहले क्राइम में भी नंबर वन था। कहते हैं बीजेपी के सरकार में आने से क्राइम में नंबर वन का तबका उत्तर प्रदेश से छिन गया है। लेकिन ज़रा सा निष्पक्ष होकर सिर्फ जनता की नज़र से देखिये की क्या इनकाउंटर करवाने से क्राइम खतम होता है? 5 सालों में इनकाउंटर की संख्या तो निश्चित रूप से बढ़ी है लेकिन क्या इससे अपराध के आंकड़े कम होते हैं? नेशनल क्राइम रिपोर्ट ब्यूरो के रिपोर्ट के मुताबिक यूपी में हर 2 घंटे में एक रेप का मामला दर्ज किया जाता है जबकि बच्चों के खिलाफ हर 90 मिनट में एक रेप का मामला दर्ज किया जाता है। सियासत की नज़र में भले ही रेप अपराध की श्रेणी में ना आता हो लेकिन एक इंसान के लिए बलात्कार से बड़ा ना कोई अपराध है और ना ही बलात्कार करने वाले से बड़ा कोई अपराधी।

तीन महीने पीछे जाकर देखें तो देश इतिहास के सबसे बड़े संकट से गुज़र रहा था। लोग सांसो के लिए जद्दोजहत कर रहे थे। पूरा देश आक्सीजन बेड और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था। मुर्दाघर की दीवारों ने इतनी लाशों को एक साथ कभी अपने भीतर समाते नही देखा था। श्मशान घाटों में अनगिनत चिताएं जलकर राख हो रही थीं। गौर से देखने पर आप पाएंगे कि दरअसल केवल चिताएं नही जल रही थी उनमे देश का हेल्थ सिस्टम जल रहा था। वही सिस्टम जिसकी आड़ में मौजूदा सरकारें खुद की गलतियों को छिपा लिया करती हैं। क्योंकि जब कुर्बानी का वक्त आता है तो कुर्बानी सिपाही की दी जाती है राजा ज़िंदा रहता है। शासन करने के लिए। बंगाल में जब चुनाव ने जन्म लिया कोरोना मरा हुआ था। अब उत्तरप्रदेश में चुनाव ने जन्म लिया है। फिर से कोरोना मर चुका है। इतना कि अब की उसपर बात भी नही करता। कोई सवाल भी नही करता। योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में आज तक को दिए इंटरव्यू में कहा कि 'यूपी में आक्सीजन की कोई कमी नही थी।' शायद वो अम्बार ज़िंदा लाशों का रहा होगा। शायद लोग धरती पर कोरोना के डर से गंगा में तैरने गए होंगे। सियासत जनता के न वोट को याद रखती है और ना ही आंसू। मीडिया ने भी अपने कई साथी महामारी में खो दिए फिर भी आँखे मिलाकर अभी तक किसी सांसद विधायक और मंत्रियों से सवाल नही पूछा कि जब लोग मर रहे थे तब आप लोग क्या कर रहे थे? क्योंकि तितलियां फूलों पर बैठी अच्छी लगती है उनकी उड़ाने इतनी ऊंची नही हुआ करती की चकमा देने वाले बाज़ से नज़रे मिलाकर सवाल कर सकें।

मगर यह तो केवल आयुर्वेदिक आयोग है !

देशी चिकित्सा पद्धतियों को नया आयाम देने के लिये 11 जून, 2021 को भारत सरकार ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग की स्थापना की घोषणा करते हुए एक राजपत्र प्रकाशित किया है। इस आयोग ने भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद का स्थान ले लिया है जिसे 1971 में एक संसदीय अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था, 2014 में केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से भारतीय या स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के लिए राष्ट्रीय आयोग का गठन उसी श्रृंखला की एक कड़ी है। 2014 में केन्द्र सरकार ने आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी को बढ़ावा देने के लिए एक अलग आयुष मंत्रालय की स्थापना की थी। 2017 में भारत सरकार ने किसी नौकरशाह के बजाय गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जाम नगर के पूर्व कुलपति वैध राजेश कोटेचा को आयुष मंत्रालय के सचिव के रूप में नियुक्त किया जो वर्तमान में इसी पद पर आसीन हैं।

यूं तो आयुष मंत्रालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारतीय चिकित्सा यानी आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना एवं उपरोक्त पद्धतियों में बीमारियों के इलाज के लिए अनुसंधान करना और इसकी सार्वजनिक उपयोगिता को बढ़ाना था। लेकिन वास्तविकता यह है कि सरकार आयुष में सम्मिलित किसी अन्य पद्धतियों की तुलना में आयुर्वेद और योग के विकास और प्रसार पर अधिक जोर दे रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि आयुष मंत्रालय की स्थापना सभी स्वदेशी पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी लेकिन सरकार ने उनकी अनदेखी की है और आयुर्वेद को विशेष उपकार दिया गया है। इस का मुख्य उदाहरण भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए नवगठित राष्ट्र ीय आयोग में यूनानी चिकित्सा को एक कोने तक सीमित कर दिया जाना है। आयुर्वेद के बाद सबसे लोकप्रिय यूनानी चिकित्सा को इस आयोग में तनिक भी महत्व नहीं दिया गया है। आयोग का नेतृत्व कर्नाटक के आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. श्रीनिवास प्रसाद बुद्रु को सौंपा गया है, एक ओर जहाँ आयुर्वेद को अन्य पद्धतियों में सर्वपरी रखने के लिए एक अलग आयुर्वेद बोर्ड का गठन किया गया है। वहीं यूनानी चिकित्सा को नीचा दिखाने के लिये इसे सिद्धा और सावा रिग्पा के साथ एक अलग बोर्ड में शामिल किया गया है जिस की अध्यक्षता केवल तमिल नाडु एवं केरल तक सीमित मात्र 9 शिक्षण संस्थान वाली सिद्धा पद्धति का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेषज्ञ डां.जगन्नाथन को दी गयी है। विडंबना यह है कि सदियों से यूनानी चिकित्सा देश के लगभग हर हिस्से में मौजूद है, आयुर्वेद एवं होम्योपेथी के बाद देश भर में यूनानी के सब से ज्यादा 100 अस्पताल 1500 औषधालय और 60 मेडिकल कॉलेज हैं जहाँ स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षा दी जाती है। ऐसी स्थिति में तो आयुर्वेद की तरह ही यूनानी बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए था लेकिन यहां तो आयुर्वेद का प्रभुत्व दिखाने के लिये 15 सदस्यीय आयोग में अध्यक्ष समेत 10 सदस्य आयुर्वेद से हैं जबकि यूनानी से तीन एवं सिद्धा से दो सदस्यों को शामिल किया गया है। बात यहीं तक सीमित नहीं रही बल्कि भारतीय चिकित्सा पद्धति आकलन और रेटिंग बोर्ड तथा भारतीय चिकित्सा पद्धति आचार और पंजीकरण बोर्ड का अध्यक्ष भी आयुर्वेद विशेषज्ञों को ही बनाया गया है। क्या सरकार को पूरे देश में यूनानी चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं दिखा जो इन दायित्व को निभा सकता। भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के लिए राष्ट्रीय आयोग एक संयुक्त निकाय है, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है और यह आयुर्वेद के एकमात्र निकाय के रूप में उभर कर सामने आया है। यूनानी चिकित्सा भारत में एक हजार से अधिक वर्षों से अस्तित्व में है और आयुर्वेद की तरह ही लोकप्रिय रही है। आजादी से पहले जब ब्रिटिश सरकार ने भारतीय चिकित्सा प्रणाली को खत्म करने की कोशिश की, प्रसिद्ध यूनानी चिकित्सक हकीम अजमल खां जो एक राजनेता और कांग्रेस के अध्यक्ष भी थे, ने यूनानी के साथ आयुर्वेद के अस्तित्व के लिए भी लड़ाई लड़ी जिस के फलस्वरूप ब्रिटिश सरकार को भारतीय चिकित्सा को मान्यता देने के लिए मजबूर होना पड़ा। आज़ादी के उपरांत स्वास्थ्य मंत्रालय तथा बाद में स्थापित आयुष मंत्रालय के तहत, आयुर्वेद चिकित्सकों के लिए उपलब्ध सभी सुविधाएं यूनानी चिकित्सकों के लिए भी उपलब्ध थीं। चाहे वह निजी अभ्यास, चिकित्सा अधिकारी या अन्य सरकारी लाभों की बात हो, यूनानी और आयुर्वेद दोनों समान रहे। पूरे देश में सार्वजनिक और निजी यूनानी मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी महत्वपूर्ण है। यूनानी मेडिकल कॉलेज और आयुर्वेदिक कॉलेज तथा उनके पाठ्यक्रम पूर्व सीसीआईएम (भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद) के नियंत्रण में थे जो अब आयुष मंत्रालय के अधीन है। आयोग को पूरी तरह से आयुर्वेदिक विशेषज्ञों को सौंपने के खतरनाक परिणाम आने वाले दिनों में स्पष्ट रूप से देखे जाएंगे। भय व्याप्त है जिस बोर्ड में यूनानी चिकित्सा को रखा गया है उसमें यूनानी विशेषज्ञों की उपस्थिति शून्य है उक्त बोर्ड के प्रमुख का यूनानी चिकित्सा से कोई संबंध नहीं है इसलिए उनके लिए यूनानी चिकित्सा को समझना आसान नहीं होगा। जिस के कारण यूनानी चिकित्सा के विकास पर प्रभाव पड़ेगा , यूनानी पाठ्यक्रम को संशोधित एव लोकप्रिय बनाने के नाम पर इसे उर्दू और अरबी से मुक्त किया जा सकता है जो कि यूनानी चिकित्सा के शास्त्रिय ग्रंथों की स्रोत भाषाएँ हैं । इसी तरह यूनानी चिकित्सा की स्थिति को कम करने और उस के विस्तार को सीमित करने का हर संभव प्रयास किया जा सकता है, और यूनानी चिकित्सकों का चिकित्साअभ्यास करना भी आसान नहीं होगा।

यादें नयी पुरानी-हर पीढ़ी की कहानी

पीढ़ी का अंतर हर पीढ़ी के लोग अपने समय पर अनुभव करते हैं। 'हमारे जमाने में' जैसे वाक्य सबको सुनने को मिलते हैं। और हो भी क्यों ना, क्योंकि जो हमने अनुभव किया वह अगली पीढ़ी को बताना फर्ज है। फर्ज नहीं तो जिम्मेदारी तो है ही, ऐसा हम समझते हैं। पापा अपने संघर्ष की कहानियाँ सुनाते हैं तो बच्चों को लगता है कि क्या संघर्ष सिर्फ आपने किया है, हम भी तो संघर्ष कर रहे हैं। भले ही संघर्ष का रूप बदल गया हो लेकिन जूझ तो हम भी रहे हैं। यही बच्चे जब जब बड़े हो जाते हैं तो इतिहास दोहराते हुए अपने बच्चों को अपने जीवन के संघर्ष की कहानी सुनाते हैं और उनके बच्चे उन्हें पुराने जमाने का कह कर अनसुना कर देते हैं। कहने का अर्थ ये कि पीढ़ी दर पीढ़ी यही परंपरा चली आ रही है और आगे भी चलेगी। अगर पापा को साइकिल पर ऑफिस जाने में बहुत कष्ट होता था तो बेटा कहता है कि आजकल के ट्रैफिक में गाड़ी चला कर ऑफिस से घर आना भी बहुत तकलीफ़ देता है। साइकिल की जगह गाड़ी ने भले ही ले ली हो लेकिन परेशानियाँ फिर भी अपनी जगह पर हैं, बस उसका स्वरूप बदल गया। पापा की पुरानी पतलून से बेटे की पतलून सिलवाने के जमाने भले ही चले गए हों लेकिन पापा की पुरानी घड़ी आज मूल्यवान हो चुकी है और एंटीक की श्रेणी में पहुँच चुकी है। घर के कोने मे कढ़ाई वाले मेजपोश से ढका पुराना रिकार्ड प्लेयर आज किसी काम का नहीं रहा, उसकी जगह नए उपकरण आ गए गाना सुनने के लिए। लेकिन पापा की यादों में तो अब भी वही शामें हैं जिसमें वह अपनी कुर्सी पर आँख बंद कर बैठे हैं और रिकार्ड प्लेयर पर सुरैया के गीतों का रिकार्ड चल रहा है।

मम्मी आज भी बेटी के जन्मदिन को छोले पूरी और सूजी का हलवा बना कर मनाना चाहती हैं जबकि बेटी को अपने दोस्तों को जन्मदिन मनाने के लिए रेस्टोरेंट ले जाने का मन है। सूजी का हलवा भला कौन खाता है अपने जन्मदिन पर जन्मदिन पर तो केक खाया जाता है। यह पुरानी सोच अब नहीं चलेगी, ऐसा बेटी को लगता है। पीढ़ी का अंतर यहाँ भी मुखर हो गया।

मम्मी को वह दिन याद आने लगता है जब वह बच्चों के जन्मदिन पर अपने हाथ से सिले हुए कपड़े तोहफे में देती थीं। अब बहु तो अपने बच्चों को बाजार ले जा कर उनकी पसंद के कपड़े दिला लाती है। मम्मी को लगता है कि आजकल के बच्चे मेहनत नहीं करना चाहते इसलिए बाजार से सिले सिलाये कपड़े ले आते हैं जबकि बहु को लगता है कि घर के सिले कपड़ों में वह बात नहीं जो बाजार के सिले कपड़ों में होती है। पहले का ज़माना और था जब कुछ भी पहन लेते थे, अब तो सही फिटिंग के कपड़े ना हों तो बच्चे पहनते नहीं। ढीले ढाले झोला जैसे कपड़े पहनने का समय गया अब। दस मीटर कपड़ा खरीद कर सब भाई बहनों के एक से कपड़े बनाने का रिवाज़ अब नहीं है। अब तो जुड़वां बच्चे भी एक जैसे कपड़े नहीं पहनना चाहते।

आचार की बरनियाँ और मुरब्बों की रंग बिरंगी शीशियाँ गायब होती जा रहीं हैं और सेजवान सॉस और मेयोनिस खाने की मेज़ पर जगह बनाती जा रही हैं। पीढ़ी के साथ साथ स्वाद भी बदल रहे हैं। मम्मी अब भी जाड़ों में मटर छील कर उसे सुखा कर गर्मियों के लिए सहेजना चाहती हैं, नयी पीढ़ी इसे समय की बर्बादी बताती है। छत पर मँगौरी, पापड़ और आलू के चिप्स सूखने कम हो गए हैं।

पापा अपनी पुरानी किताबों को सहेजना चाहते हैं। मिठाई के पुराने डब्बे सहेजने का मन रखने वाले पापा घर में जगह ढूंढते रहते हैं जहाँ वह पुराने तार, कीलें, जूते के खाली डब्बे रख पाएं। 'पता नहीं कब काम आये' वाली सोच रखने वाले पापा की पीढ़ी अब ढीली पड़ती जा रही है और 'जब जरूरत होगी तब ले आएंगे' वाली नयी पीढ़ी उनका स्थान ले रही है।

रात की बची हुई सब्जी को आटे में मिल कर उसकी रोटी बनाने वाली मम्मी अब रसोई से बाहर आ गयीं हैं। नक्काशी वाली कुर्सी पीछे वाले कमरे में पड़ी है। फूल पत्ती की कढ़ाई से बने मेजपोश सन्दूक में बंद हैं। ऊन और क्रोशिये से बने ग्लास के कवर अब काम में नहीं आते। चाय की केतली की जगह फ्लास्क ने ले ली है। पुरानी पीढ़ी अपनी यादों में डूब रही है और नयी पीढ़ी यादें बनाने में जुटी है। शायद इसे ही जीवन चक्र कहते हैं।

मन के आखर

अरविंद सोनी 'सार्थक'

विषय : मन

विधा : मनहरण घनाक्षरी छंद

अति मन भावन दरस भोर उजियारा,
आए बाल आदित्य
क्षितिज हुआ लाल है!

मंद मंद कदम बढ़ाते भानु अम्बर में,
जग मग धरती
दमक रहे भाल है!

कहीं अति बरखा उफान आए नदियों में,
कहीं प्यासा सावन
तपिश भरा काल है!

सार्थक ही करम नियम धर्म प्रकृति के,
संतुलन सृष्टि में
नियति नीति चाल है!

(मूलतः रामपुरा मंदसौर म.प्र.)
रायगढ़ छ ग

एडीएम ने दशहरा मैदान में बैठक लेकर दिये निर्देश

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के समारोह आयोजन की रूपरेखा तय

उज्जैन (राघवकीर्ति)। 15 अगस्त 2021 को स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम दशहरा मैदान पर आयोजित किया जायेगा। इस वर्ष नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के कारण राज्य शासन द्वारा निर्धारित रूपरेखा के अनुरूप स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित होगा। समारोह आयोजन के सम्बन्ध में एडीएम नरेन्द्र सूर्यवंशी, अपर कलेक्टर जितेन्द्रसिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश भूरिया ने दशहरा मैदान पर सम्बन्धित अन्य विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिये।

एडीएम नरेन्द्र सूर्यवंशी ने बताया कि जिला स्तर पर प्रतिवर्ष अनुसार पुलिस, होमगार्ड, एसएएफ आदि द्वारा परेड का आयोजन किया जायेगा। मुख्य अतिथि द्वारा सन्देश का वाचन होगा। एडीएम नरेन्द्र सूर्यवंशी ने नगर निगम को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने, लोक निर्माण विभाग को मैदान पर चूरी डलवाकर मैदान को ठीक करने व बेरिकेटिंग करने, उद्यान विभाग को साज-सज्जा करने, उज्जैन विकास प्राधिकरण को माइक व्यवस्था करने, शिक्षा विभाग को कार्यक्रम के संचालन की व्यवस्था करने और जिला पुलिस बल को परेड की व्यवस्था करने एवं अन्य विभागों को विभाग से सम्बन्धित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिये कहा है। एडीएम ने पुरस्कृत होने वाले कर्मचारियों को क्रम अनुसार बैठाने के निर्देश दिये हैं।

उज्जैन संभाग के आगर-मालवा जिले में सर्वाधिक वर्षा 726.4 मिमी दर्ज

सबसे कम वर्षा देवास जिले में 503 मिमी

उज्जैन (राघवकीर्ति)। संभाग में वर्षा का दौर जारी है। इस वर्ष अभी तक मानसून सत्र में उज्जैन संभाग के आगर-मालवा जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा 726.4 मिमी हो चुकी है और सबसे कम वर्षा देवास जिले में औसत 503 मिमी वर्षा हुई है। उज्जैन संभाग में अभी तक औसत 612.7 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 426.1 मिमी हुई थी। उज्जैन संभाग की सामान्य औसत वर्षा 917.2 मिमी है।

भू-अभिलेख के उपायुक्त राकेश शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक उज्जैन संभाग के उज्जैन जिले में औसत 633 मिमी, देवास में 503, शाजापुर में 651.9, रतलाम में 590, मंदसौर जिले में 642.7, नीमच जिले में 541.6 और आगर-मालवा जिले में 726.4 मिमी वर्षा हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में उज्जैन जिले में औसत 422.2 मिमी, देवास में 581.2, शाजापुर में 388.7, रतलाम में 454.8, मंदसौर जिले में 292.1, नीमच जिले में 357.6 और आगर-मालवा जिले में 486.2 मिमी वर्षा हुई थी।

उल्लेखनीय है कि पिछले चौबीस घंटे के दौरान 10 अगस्त की प्रातः तक उज्जैन संभाग के उज्जैन जिले में औसत 13.2 मिमी, देवास में 9.3, शाजापुर में 00, रतलाम में 0.8, मंदसौर जिले में 2.3, नीमच जिले में 22.6 और आगर-मालवा जिले में 30.6 मिमी वर्षा हुई है।

ज्ञात रहे कि उज्जैन संभाग के उज्जैन जिले में औसत सामान्य वर्षा 906.2 मिमी, देवास में 1067.1, शाजापुर में 990.1, रतलाम में 918.3, मंदसौर में 826.5, नीमच में 812.6 और आगर-मालवा जिले की सामान्य औसत वर्षा 899.9 मिमी है।

आयुक्त ने किया वार्ड क्र. 19 की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

समझाइश के बाद भी खुले में कचरा फेकने वालों पर सख्त चालानी कार्यवाही करें - आयुक्त सिंघल

उज्जैन (राघवकीर्ति)। आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा मंगलवार को ग्राण्ड होटल पर स्टैंडअप मिटिंग में झोन नोडल, वार्ड नोडल एवं सफाई व्यवस्था में लगे अधिकारीयो/कर्मचारीयों से शहर की सफाई व्यवस्था पर चर्चा करते हुए उनका मार्गदर्शन किया गया।

आपने नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि -

- हमे शत-प्रतिशत् जीवीपी पॉइंट खत्म करना है इसलिए यह फोकस करना है कि कौन-कौन से क्षेत्र हैं जहां जीवीपी पॉइंट अभी भी बन रहे है, इसका निराकरण करेंगे और चिह्नित करेंगे की किन लोगों द्वारा कचरा खुले में फेंका जा रहा है।
- यह सुनिश्चित करें कि वार्डो में कचरे का सेग्रीकेशन ठीक तरह से हो रहा है या नहीं कहीं पर मिक्स कचरा तो नहीं दिया जा रहा है इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।
- आई.ई.सी टीम के सदस्य वार्डों में निरंतर जन जागरूकता की गतिविधियां आयोजित कर रहवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए।
- सार्वजनिक शौचालय एवं सुलभ जन सुविधा केंद्रों के साथ-साथ यूरिनल की भी सफाई व्यवस्था नियमित रूप से की जाए।
- प्रत्येक वार्ड में कचरा गाड़ियों का टीपीएम वार्ड की सुविधा के अनुसार बनाया गया है जिसके अनुसार वार्डों में कचरा गाड़ियों का समय निर्धारण किया गया है वार्ड नोडल अपने अपने वार्डो के मेट से चर्चा करते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि रहवासियों की सुविधा के लिए क्या कचरा गाड़ियों का समय परिवर्तन किया जा सकता है।

सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

स्टैंड अप मीटिंग के पश्चात आयुक्त द्वारा वार्ड क्रमांक 19 अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। आपने संबंधित वार्ड के मेंट को निर्देशित किया कि लोगों को समझाइश दी जाए कि कचरा खुले में ना फेंकते हुए कलेक्शन वाहनों में ही दिया जाए यदि फिर भी समझाइश के बाद ना माने तो संबंधित पर सख्त चालानी कार्यवाही की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त राधेश्याम मंडलोई, जनसंपर्क अधिकारी प्रदीप सेन, वार्ड नोडल संतोष शर्मा उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री ने की विभागीय समीक्षा

विश्वविद्यालयों के परिक्षेत्र पुनर्निर्धारण में रखें विद्यार्थियों की सुविधा का ध्यान -मंत्री यादव

उज्जैन (राघवकीर्ति)। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थियों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए शासकीय विश्वविद्यालयों के परिक्षेत्र का पुनर्निर्धारण किया जाए। विश्वविद्यालयों में जैविक कृषि, कृषि, हॉर्टिकल्चर एवं अन्य पाठ्यक्रमों को एक विषय के रूप में पढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार करें। आगामी समन्वय समिति की बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाए। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव गत दिवस मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय मुख्यालय की जिले से दूरी, विद्यार्थियों की सुविधा और विश्वविद्यालयों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए परिक्षेत्र का पुनर्निर्धारण करें। इस संबंध में संशोधन के लिए प्रस्ताव तैयार करें। साथ ही विश्वविद्यालय के वर्क लोड की भी समीक्षा की जाए। बैठक में परंपरागत विश्वविद्यालय में कृषि, जैविक कृषि, हॉर्टिकल्चर एवं अन्य पाठ्यक्रमों को एक विषय के रूप में प्रारंभ करने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। विक्रम विश्वविद्यालय में कृषि संकाय प्रारंभ करने संबंधी अध्यादेश स्थाई समिति द्वारा अनुशंसित किया जा चुका है। डॉ. यादव ने इन विषयों के पाठ्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिए।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि सेवानिवृत्ति संबंधी प्रकरण प्राथमिकता के आधार पर हल किए जाएँ। इसमें आदर्श स्थिति होनी चाहिए। सेवानिवृत्ति के दिन ही कर्मचारियों, प्राध्यापकों के सभी देयक प्रदान किए जाएँ। मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के पेंशन फण्ड में राशि जमा न करने वाले विश्वविद्यालयों से सख्ती बरतते हुए समय पर राशि जमा करायें। इस वित्त वर्ष में समस्त विश्वविद्यालयों से स्ववित्तीय आय की 20 प्रतिशत राशि ली जाना है। विभाग विश्वविद्यालयीन पेंशन पर प्रतिमाह साढ़े 4 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्वयं के स्त्रोत से आय, यूजीसी अनुदान और राज्य मद से दी जाने वाली राशि के आधार पर वित्तीय स्थिति का आकलन करें। प्रयास किए जाएँ कि विश्वविद्यालय एक सीमा के बाद सहयोग के लिए राज्य पर निर्भर न रहकर स्वयं सक्षम बनें। विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों की पूर्ति, अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों पर भी चर्चा हुई। बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पेंशन प्रकरण के निराकरण के लिए ऑनलाइन केम्प कल से

महाविद्यालयीन प्राचार्य स्तर पर लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए ऑनलाइन केम्प लगाए जा रहे हैं। जबलपुर, उज्जैन और रीवा संभाग के लिए 10 अगस्त, ग्वालियर, भोपाल संभाग के लिए 11 अगस्त और इंदौर और सागर संभाग के लिए 12 अगस्त को यह केम्प लगाये जाएंगे।

पिछले चौबीस घंटे के दौरान जिले की झारड़ा तहसील में 39 मिमी वर्षा हुई

उज्जैन (राघवकीर्ति)। पिछले चौबीस घंटे के दौरान 10 अगस्त की प्रातः तक जिले की झारड़ा तहसील में सर्वाधिक वर्षा 39 मिमी हुई है। इस दौरान जिले की उज्जैन तहसील में 26, खाचरौद में 10, महिदपुर में 27 एवं तराना तहसील में 4 मिमी वर्षा हुई है। इस तरह अभी तक जिले में औसत 633 मिमी वर्षा हो चुकी है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में औसत 422.2 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई थी।

कलेक्टर कार्यालय भूअभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष अभी तक जिले की उज्जैन तहसील में 499, घट्टिया में 715, खाचरौद में 589, नागदा में 655, बड़नगर में 606, महिदपुर में 733, झारड़ा 798 एवं तराना तहसील में 469 मिमी वर्षा हुई है।

प्री रजिस्ट्रेशन की जरूरत नही, सीधे सेंटर पर जाए और वैक्सीन लगवाए

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कोरोना वेक्सीनेशन 11 अगस्त बुधवार को उज्जैन शहर में किया जाएगा। 29 केन्द्रों पर कोविशिल्ड वेक्सीन का फर्स्ट एवं सेकंड डोज लगाया जायेगा। इसी तरह कोवेक्सीन के लिये 31 सेन्टर बनाये गये हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद हेतु अनन्तिम सूची जारी

उज्जैन (राघवकीर्ति)। महिला एवं बाल विकास उज्जैन शहर क्रमांक-1 के परियोजना अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन शहर के वार्ड-52 दमदमा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कु.तारा पिता राधेश्याम मालवीय की अनन्तिम सूची जारी कर दी है। इसी तरह वार्ड-48 नानाखेड़ा में आंगनवाड़ी सहायिका के पद हेतु पूर्व में जारी विज्ञप्ति निरस्त कर दी गई है। अनन्तिम सूची नगर निगम, एसडीएम कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी के कार्यालय एवं परियोजना अधिकारी शहर क्रमांक-1 के कार्यालय और सम्बन्धित वार्ड में रिक्त पद हेतु आंगनवाड़ी केन्द्र पर चस्पा की जायेगी। अनन्तिम सूची में पात्र हितग्राही के सम्बन्ध में यदि किसी को आपत्ति हो तो वह लिखित में ठोस प्रमाण सहित सात कार्यदिवस 20 अगस्त तक परियोजना कार्यालय उदयन मार्ग रिंग रोड उज्जैन में अपनी आपत्ति कार्यालयीन समय में दर्ज करा सकते हैं।

नहीं बढ़ेगी शुगर

डायबिटीज वालों को खाने चाहिए लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फूड

ग्लाइसेमिक इंडेक्स आपके आहार को विनियमित करने में मदद करता है। जानिए ग्लाइसेमिक इंडेक्स डाइट को प्रभावित करने वाले कारक और जीआई डाइट फॉलो करने के फायदों के बारे में।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सही आहार बहुत जरूरी है। हालांकि फिट रहने के लिए लोग खुद को अलग-अलग तरह की डाइट और डाइट प्लान फॉलो करते हैं। एक रूटीन में भोजन का सेवन करने से शरीर में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहता है, जो प्रवाह को नियंत्रित करने में मदद करता है। ग्लाइसेमिक इंडेक्स एक ऐसी ही प्रणाली है, जो आपके स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाने के लिए आपके आहार व्यवस्था की जांच करती है। इसमें कई तरह के कार्बोहाइड्रेट खाद्य पदार्थ होते हैं, जो शरीर में ब्लड शुगर लेवल को जरूरी भोजन की मात्रा का पता लगाने में मदद करते हैं। इसमें आपके भोजन की योजना के अनुसार, एक स्पेशल डाइट प्लान शामिल होता है। यहां हम इस अवधारणा को विस्तार से समझने की कोशिश करेंगे और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले आहार को लेने के फायदों के बारे में जानेंगे।

ग्लाइसेमिक इंडेक्स क्या है

ग्लाइसेमिक इंडेक्स कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की रैंकिंग है, जिससे यह पता लगाया जाता है कि भोजन में पाया जाने वाला कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज बनने में कितना समय लगता है। सीधे शब्दों में कहें तो लह्नु इस बात का माप है कि कोई भोजन हमारे ब्लड शुगर लेवल को कितनी जल्दी बढ़ाता है। मतलब हम जो भोजन करते हैं, उससे दो से तीन घंटे बाद रक्त में ग्लूकोज की मात्रा जितनी भी बढ़ती है उसे ग्लाइसेमिक इंडेक्स कहते हैं।

बता दें कि किसी विशिष्ट भोजन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स जितना कम होगा, वह ब्लड शुगर लेवल को उतना कम प्रभावित करेगा। ग्लाइसेमिक इंडेक्स माप भोजन को 0 से लेकर 100 के पैमाने पर रैंक करता है। हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ जल्दी पच जाते हैं और अवशोषित हो जाते हैं, जिससे ब्लड शुगर में तेजी से वृद्धि होती है। इस बीच कम जीआई वाले खाद्य पदार्थ धीमी गति से पचते और अवशोषित होते हैं और बाद में ब्लड शुगर लेवल में धीमी वृद्धि का कारण बनते हैं।

चीनी का प्रकार-

लोगों में इस बात को लेकर गलत धारणा है कि सभी प्रकार की चीनी में हाई जीआई रहता है। जीआई शुगर के प्रकार के आधार पर 23 से 105 के बीच होता है। फरुक्टोज में सबसे कम जीआई 23 है। इसे बिना किसी चिंता के आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। लेकिन चीनी आपके आहार का जीआई तय करने में बहुत बड़ा रोल अदा करती है।

खाना पकाने की विधि-

अक्सर एक ही डिश को पकाने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं। लेकिन जहां तक खाने के ग्लाइसेमिक इंडेक्स का सवाल है, तो जरूरी नहीं कि सभी तरीके आपके शरीर के लिए समान रूप से फायदेमंद हों। खाना पकाने की विधि और खाना पकाने की तकनीक यह तय करती है कि खाने का जीआई कितना है। भोजन जितना ज्यादा पका होगा, उसकी GI वैल्यू उतनी ही ज्यादा होगी।

स्टार्च की मूल संरचना-

स्टार्च मूल रूप से एक कार्बोहाइड्रेट है, जिसमें एमाइलेज और एमाइलॉपेक्टिन होता है। इन दो मॉलिक्यूजल में एमाइलेज शरीर के लिए पचाने में आसान होता है। जबकि एमाइलॉपेक्टिन को पचाना काफी मुश्किल है। हाई एमाइलेज इंग्रीडिएंट्स वाले भोजन में जीआई बहुत कम होता है। इसलिए आहार को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखने के लिए स्टार्च युक्त भोजन को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

पके हुए फल-

लो जीआई डाइट में ज्यादातर फलों को शामिल किया जाता है। फल जितना ज्यादा पकता है, उसकी जीआई वैल्यू उतनी ही ज्यादा होती है। उदाहरण के लिए कच्चे केले का जीआई 30 और पके का 48 होता है। इसलिए हमेशा बहुत ज्यादा पके या पके हुए खाद्य पदार्थों के सेवन से बचने की सलाह दी जाती है।

ये हैं लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ

बेशक GI आपकी कैलोरी को काउंट करने में मदद करता हो, लेकिन यह संभव नहीं है कि हर बार कुछ भी खाने पर इसे काउंट किया जा सके। यहां हम उन खाद्य पदार्थों के नाम आपको बता रहे हैं, जो जीआई में बहुत कम हैं और पौष्टिक भी।

ब्रेड-

होल ग्रेन और मल्टीग्रेन।

फल-

सेब, स्ट्रॉबेरी, आड़ू, नाशपाती, कीवी, टमाटर आदि।

सब्जियां-

गाजर, ब्रोकोली, फूलगोभी, अजवाइन, गोभी।

स्टार्च वाली सब्जियां-

शकरकंद, मक्का, रतालू।

फलियां-

बेक्ड बीन्स, बटर बीन्स, किडनी बीन्स

पास्ता और नूडल्स-

पास्ता, सेवई नूडल्स, चावल नूडल्स।

चावल-

बासमती, भूरा

डेयरी उत्पाद-

दूध, पनीर, दही, नारियल का दूध, सोया दूध, बादाम का दूध की लह्नु वैल्यू बहुत कम होती है, जिसे आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

ग्लाइसेमिक इंडेक्स एक उपाय की तरह है , जिसका उपयोग यह तय करने के लिए किया जाता है कि कोई भी भोजन आपके ब्लड शुगर लेवल को कितना प्रभावित कर सकता है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले आहार के कई फायदे हैं। क्योंकि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को संतुलित करने , कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अल्पकालिक वजन कम क रने में मदद करता है।

4 रंग के चावलों में से कौन हैं सेहत के लिए फायदेमंद

चावल हमारे खाने की थाली का अहम हिस्सा होते हैं और इनके बिना हमारा भोजन अधूरा सा लगता है। चावल कई तरह के होते हैं जिनमें लाल, काले, सफेद और भूरे। जानिए इनमें से आपको हेल्दी रहने के लिए किन चावलों का चुनाव करना चाहिए।

चावल की सभी किस्मों में से लाल, काले और भूरे चावल सबसे अधिक पौष्टिक होते हैं। इनमें सफेद चावल की तुलना में ब्राउन और ब्लैक राइज अधिक एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, प्रोटीन और अन्य विटामिन और खनिजयुक्त होते हैं। सफेद चावल में एक कमी होती है कि ये अत्यधिक संसाधित होते हैं जिसके कारण यह आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं प्रदान कर पाते हैं।

साथ ही अन्य दूसरे किस्म के चावलों की तरह आपको ज्यादा देर तक भरा हुआ महसूस नहीं कराते। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस किस्म के चावल खाने का फैसला करते हैं लेकिन इसके हिस्से के आकार का ध्यान रखें। चावल आमतौर पर कैलोरी में अधिक होते हैं और किसी भी भोजन का अत्यधिक सेवन एक अच्छा विकल्प नहीं है। यहां हम आपको चावलों की वैरायटी के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं।

सफेद चावल- सफेद चावल भारतीय घरों में इस्तेमाल होने वाला सबसे आम प्रकार का चावल है। चावल की सभी किस्मों में से अत्यधिक संसाधित होता है। पैक किए जाने के बाद इनकी शेल्फ लाइफ को बढ़ाने के लिए इनमें से भूसी, चोकर और रोगाणु को हटा दिया गया है, लेकिन अधिक प्रोसेप्ड फूड आवश्यक पोषक तत्वों को भी छीन लेता है।

इसमें अन्य प्रकार के चावल की तुलना में कम प्रोटीन, एंटीऑक्सिडेंट और अन्य आवश्यक पोषक तत्व जैसे थायमिन और बी विटामिन होते हैं। साथ ही, कम फाइबर सामग्री के कारण सफेद चावल हमारी तृप्ति नहीं करते या कहें कि हम सिर्फ इनका सेवन से अपना पेट नहीं भर सकते। 100 ग्राम सफेद चावल में 68 कैलोरी और 14.8 ग्राम कार्ब्स होते हैं। इनमें केवल कैल्शियम और फोलेट की अच्छी मात्रा होती है।

ब्राउन चावल- सफेद चावल के विपरीत भूरे चावल में चोकर की परत और रोगाणु होते हैं। पैकिंग करते वक्त इनकी केवल भूसी निकाली जाती है। यही वजह है कि यह सफेद चावल की तुलना में काफी अधिक पौष्टिक होते हैं। खलिहान में फ्लेवोनोइड एंटीऑक्सिडेंट- एपिजेनिन, क्रेरसेटिन और ल्यूटोलिन होते हैं जो हमें स्वस्थ और रोग मुक्त रखने में आवश्यक भूमिका निभाते हैं।

ब्राउन राइस में उतनी ही मात्रा में कैलोरी और कार्ब्स होते हैं जितने सफेद चावल में होते हैं। केवल उनमें अधिक फाइबर और प्रोटीन होता है, जो इसे सफेद चावल की तुलना में स्वस्थ विकल्प बनाता है। चावल की यह किस्म परिपूर्णता को बढ़ावा देती है, रक्त शर्करा और इंसुलिन को नियंत्रित करती है। इसके अलावा, यह मैग्नीशियम में भी उच्च है।

लाल चावल- चावल की इस किस्म को एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट से अपने समृद्ध रंग मिलते हैं। लाल चावल भी ब्राउन राइस जैसे फाइबर से भरपूर होते हैं, इसके अतिरिक्त, इसमें आयरन की भी काफी मात्रा होती है, जो सूजन को कम करने और रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है। इस तरह के चावल उन सभी लोगों के लिए भी फायदेमंद होते हैं जो अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि लाल चावल पचने में अधिक समय लेता है, जिसके चलते आपका पेट लंबे वक्त तक भरा हुआ महसूस कराता है और आपको फूड आइटम्स को कंज्यूम करने से रोकता है।

100 ग्राम लाल चावल में 455 कैलोरी होती है, लेकिन इसके पोषक तत्व होने के कारण आजकल लोग इस किस्म के चावल को आहार में शामिल कर रहे हैं। लाल चावल एंथोसायनिन, एपिजेनिन, मायरिकेटिन और क्रेरसेटिन जैसे फ्लेवोनोइड से भरे होते हैं। यह शरीर को कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद कर सकते हैं और हृदय रोगों और मधुमेह के जोखिम को कम कर सकते हैं।

काला चावल- काले चावल को बैंगनी चावल या forbidden rice के रूप में भी जाना जाता है। चावल की इस किस्म का विशिष्ट रंग चोकर में फाइटोकेमिकल्स की उपस्थिति के कारण होता है। इस तरह के चावल प्रोटीन, फाइबर और विटामिन ई एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। शोध बताते हैं कि काले चावल में चावल की सभी किस्मों के एंटीऑक्सीडेंट की अधिकतम मात्रा होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।

2 दिन रुकने के बाद फिर झमाझम...........

सोमवार देर रात शुरू हुई झमाझम बारिश, 8 घंटे में बरसा 2 इंच से ज्यादा पानी, सबसे पहले क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे शुरू

गुना (राघवकीर्ति)। जिले में 2 दिन बारिश का दौर थमने के बाद सोमवार रात से फिर तेज बारिश शुरू हुई। रात 9 बजे अचानक मूसलाधार बारिश का सौर शुरू हुआ जो पूरी रात चलता रहा। रात भर में ही 55 मिमी बारिश दर्ज की गई। उधर बमोरी इलाके में मंगलवार सुबह भी तेज बारिश हो रही है। रविवार-सोमवार ऐसे 24 घंटे रहे जब बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई और धूप निकली रही। 24 घंटे के बाद रात से एक बार फिर बारिश शुरू हो गयी। जिले में बारिश का आंकड़ा 1170 मिमी पहुंच चुका है।

बारिश रुकने के बाद नुकसान का सर्वे शुरू हुआ ही था कि एक बार फिर बारिश ने उसमे अड़ंगा लगा दिया। अभी सबसे पहले क्षतिग्रस्त मकानों और घरों में पानी भरने से हुए नुकसान का सर्वे किया जा रहा है। इसके बाद मवेशियों के सर्वे होगा। सबसे अंत मे फसलों में हुए नुकसान का सर्वे किया जाएगा। अभी तक प्राथमिक तौर पर यह जानकारी सामने आई है कि बाढ़ से 10 हजार 500 लोग प्रभावित हुए हैं। 600 से ज्यादा मकान मूसलाधार बारिश की चपेट में आकर ढहे हैं। 1339 लोग बेघर हो गए हैं।

सोमवार से ही नुकसान का सर्वे शुरू हो गया है। पटवारी प्रभावित इलाकों में जाकर लोगों से जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। इनमे एक फॉर्म भरवाया जा रहा है, जिसमे नुकसान के बारे में जानकारी मांगी जा रही है। घर गिरा है तो कितना नुकसान हुआ, कितनी दीवारें गिरी हैं, पानी भरने से क्या-क्या नुकसान हुआ है, इसकी जानकारी लो जा रही है। इसी के आधार पर मुआवजे को राशि तय की जाएगी।

अलग-अलग फसलों के हिसाब से सर्वे

बमोरी इलाके में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। जिले में अभी भी खेतों में पानी भरा हुआ है। इस कारण फसलों के सर्वे में देरी हो रही है। इसके पीछे एक कारण यह भी है कि अलग-अलग फसलों को अलग मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। धान के खेतों में पानी भरा रहना जरूरी होता है, इसलिए वहां नुकसान काम होगा। इस बार मक्का की बोवनी सबसे अधिक हुई है। सबसे ज्यादा नुकसान भी इसी फसल में हुआ है। अधिकतर जगह फसल जमीन पर आडी हो गयी हैं। वहीं सोयाबीन में भी काफी नुकसान हुआ है। वैसे भी इस बार सोयाबीन का रकबा 40 हजार हेक्टेयर तक घट गया है। शुरुआती समय मे बातिश न होने से काफी किसानों ने सोयाबीन की बोवनी नहीं कि थी। जैसे ही बारिश का दौर शुरू हुआ उन्होंने बोवनी कर दी। उसके बाद निरंतर मूसलाधार बारिश के कारण बीज अंकुरित ही नहीं सो सके। ऐसे में सबसे ज्यादा नुलसान इन्ही किसानों को होने की संभावना है। सोयाबीन के खेतों में भी पानी भरा रहने से नुकसान हुआ है।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर ग्राम हरिपुर में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

आदिवासी हमारी सांस्कृतिक धरोहर, आदिवासियों के अधिकारों के संरक्षण व प्रवर्तन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतिबद्ध - न्यायाधीश शर्मा

गुना (राघवकीर्ति)। आदिवासी हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं, आदिवासियों के हासा (भूमि), भाषा, जाति, धर्म, इज्जत, आबादी, रोजगार और आत्मनिर्णय आदि अधिकारों का संरक्षण एवं संवर्धन आवश्यक है और आदिवासियों के अधिकारों के संरक्षण व प्रवर्तन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतिबद्ध है। उक्त विचार प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुना राजेश कुमार कोष्टा के मार्गदर्शन में ग्राम हरिपुर में आयोजित किये गये विधिक साक्षरता कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश कुमार शर्मा ने व्यक्त किये। इसके अलावा शर्मा ने व्यक्त किया कि आदिवासियों की एक जुटता व सफलता के लिये आदिवासी समाज के भीतर विद्यमान नशापान, अंधविश्वास, ईर्ष्या, द्वेष आदि बुराइयों से मुक्त होने की आवश्यकता है तथा आने वाली पीढ़ी को शिक्षित एवं खेलों की ओर जागरूक करने का भी प्रयास करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण एवं प्रवर्तन) योजना, 2015 निःशुल्क विधिक सहायता, घेरलू हिंसा एवं नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में बृजकिशोर छीर खेड़ा द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन का महत्व एवं आदिवासियों की उन्नति में शिक्षा एवं स्वास्थ्य की आवश्यकता के संबंध में अपने विचार रखे।

इस अवसर पर मुनेश धाकड़, श्याम यादव, नरेन्द्र अहिरवार, वीरसिंह, दलसिंह, विशन, रघुनाथ, सेवा, मड़िया, प्रताप, धनसिंह, गोपाल, नाथू, प्रकाश, भारत, भगत, रामसिंह पटेलिया सहित बड़ी संख्या में ग्राम हरिपुर व कालापहाड़ के आदिवासी भाई-बहन उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासियों का किया सम्मान

ग्राम हरिपुर में विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन का शुभारंभ जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश कुमार शर्मा द्वारा जननायक टांटया भील एवं भगवान विरसामुंडा सहित अन्य महापुरूषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। आयोजन के दौरान आदिवासियों द्वारा अपने लोकगीत एवं लोक नृत्य का प्रदर्शन भी उल्लास पूर्ण तरीके से किया। कार्यक्रम के दौरान सचिव शर्मा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा ग्राम हरिपुर के आदिवासियों का सम्मान माल्यार्पण किया गया।

ग्राम छीरखेड़ा में भी विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ग्राम छीरखेड़ा में भी विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर विधिक जानकारी प्रदान की तथा ग्रामीणों की समस्याओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त किये। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश कुमार शर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा, मुनेश धाकड़, श्याम यादव, नरेन्द्र अहिरवार, ब्रजकिशोर छीर खेड़ा सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 1259.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

गुना (राघवकीर्ति)। जिले में 01 जून से अब तक 1259.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 119.5 प्रतिशत है। जिले में गतवर्ष इसी अवधि में 432.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून से 10 अगस्त 2021 प्रातः 8 बजे तक तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 1169.2 मिलीमीटर, बमौरी में 1987.9, आरोन में 1002.2, राघौगढ़ में 1234.0, चांचौड़ा में 977.0 तथा वर्षामापी केन्द्र कुम्भराज में 1185.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 28.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षा मापी केन्द्र गुना में 51.4 मिमी., बमौरी में 52.0 मिमी., आरोन में 23.3 मिमी., राघौगढ़ में 16.0 मिमी., चांचौड़ा में 9.0 मिमी. एवं वर्षा मापी केन्द्र कुंभराज में 20.0 मिमी. वर्षा दर्ज की गई।

लोकतंत्र सेनानियों का उनके घर पर ही होगा सम्मान

गुना (राघवकीर्ति)। 15 अगस्त 2021 स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों का शॉल-श्रीफल से सम्मान होगा। इस वर्ष कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन के अधिकारी लोकतंत्र सेनानियों के घर जाकर उन्हें शॉल-श्रीफल से सम्मानित करेंगे। कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए. द्वारा अनुविभागीय अधिकारी गुना, राघोगढ़, चांचौड़ा को निर्देशित किया है कि लोकतंत्र सेनानियों को उनके निवास पर जाकर सम्मानित किया जाए।

इन लोकतंत्र सेनानियों का होगा सम्मान

15 अगस्त 2021 स्वाधीनता दिवस के अवसर पर जिन लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया जायेगा उनमें मठकरी कालोनी गुना निवासी किशोरी लाल पुत्र पन्नालाल चौरसिया, सावित्री भवन लक्ष्मीगंज गुना निवासी अतुल कुमार लुम्बा पुत्र यशवंत राव लुम्बा, उदासी आश्रम गली सदर बाजार गुना निवासी प्रकाश नारायण अग्रवाल पुत्र पन्नालाल अग्रवाल, पायगा मोहल्ला गुना निवासी राकेश मिश्रा पुत्र मदनमोहन मिश्रा, कमला भवन 21/92 नत्थूखेडी निवासी अनिल कुमार सूद पुत्र वेदप्रकाश सूद, वार्ड क्रमांक 6 पायगा मोहल्ला श्रीमति मणिकांता पति स्व. शांतिलाल, महात्मा गांधी रोड राघौगढ़ निवासी रामप्रसाद शिवहरे पुत्र मूलचंद शिवहरे, मण्डी रोड कुंभराज निवासी राधेश्याम शर्मा पुत्र स्व. फूलचंद शर्मा, मण्डी रोड कुंभराज निवासी बृजमोहन पुत्र रामकिशन मैथिल ओझा, कुंभराज निवासी राधारमण राठी पुत्र बैठकर लाल माहेश्वरी, खातौली रोड बीनागंज निवासी रामबाबू साहू पुत्र मिश्रीलाल साहू तथा तहसील स्टेट बैंक के पास चांचौड़ा निवासी लोकतंत्र सेनानी श्रीमति श्यामा गुप्ता पति कृष्ण वल्लभ गुप्ता का जिले के अधिकारियों द्वारा शॉल-श्रीफल से सम्मान किया जायेगा।

शिविर में 98 लोगों की जांच, 6 बच्चों का डीईआईसी किया रेफर

गुना (राघवकीर्ति)। पवन कॉलोनी गुना में एसडीएम सुश्री अंकिता जैन के निर्देशन में मेडीकल टीम द्वारा पवन कॉलोनी में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. कपिल रघुवंशी द्वारा 98 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की गई। डॉ. कपिल रघुवंशी ने ओआरएस का वितरण कर घोल बनाने की विधि समझाकर लोगों को पानी उबालकर पानी पीने की सलाह दी। इस अवसर पर मनीष रघुवंशी द्वारा लोगों को मास्क पहनने, बार बार हाथ धोने, आपस में दूरी रखने की सलाह दी गई। डॉ. रघुवंशी ने 3 कान संबंधी, 2 मानसिक विकृति, 1 दंत पीड़ित बच्चे को डीईआईसी रेफर किया। जिनका राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उपचार किया जाएगा।

एसडीएम ने अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

गुना (राघवकीर्ति)। गुना नगर में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित परिवारों में नुकसान का सर्वे का कार्य चल रहा है। इस दौरान एसडीएम सुश्री अंकिता जैन ने नगर पालिका, खाद्य विभाग, महिला बाल विकास व स्वास्थ्य की टीम के साथ रसीद कालोनी, मातापुरा, कैंट सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर सर्वे कार्य शीघ्र करने के निर्देश दिए।

दूरस्थ ग्राम सानई में चल रहा है राहत केम्प, 90 लोगों के रुकने-खाने की व्यवस्था

गुना (राघवकीर्ति)। जिले के दूरस्थ ग्राम सानई में कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए. के निर्देशानुसार राहत कैंप खोला गया है। इस राहत कैंप में सानई ग्राम के 80 से 90 लोग ठहरे हुए हैं। प्रतिदिन भोजन, रहने की व्यवस्था आदि का इंतजाम 3 अगस्त 2021 से निरंतर जारी है। व्यवस्था के प्रभारी कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग पी.के. श्रीवास्तव को बनाया गया है।

कलेक्टर को जब यह जानकारी मिली की सानई गांव में स्थानीय नागरिक में बाढ़ आने के कारण गरीब परिवारों के घरों में पानी भर गया है और वह परेशान हो रहे हैं। कलेक्टर द्वारा तत्काल हाई स्कूल में राहत कैंप खोला गया, जिसका प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया और ग्राम पंचायत को भोजन, पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। ईई पीडब्ल्यूडी ने बताया कि सानई ग्राम में निरंतर केंप चल रहा है। इसमें 80 से 90 लोग प्रतिदिन दोनों समय का भोजन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भोजन में सब्जी, पूड़ी की व्यवस्था है। जिसमें वहां रुकने वाले लोगों को निरंतर दोनों समय भोजन मिल रहा है। कैंप परिसर में साफ पानी, स्वच्छ शौचालय, रुकने, सोने आदि की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले मंत्री सिलावट

अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हुई सिंचाई परियोजनाओं के पुनर्निर्माण के लिये सौंपा पत्र

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आज जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने भेंट कर ग्वालियर-चंबल अंचल में अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हुई सिंचाई संरचनाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री चौहान को बताया कि ग्वालियर-चंबल अंचल में मुख्यतः श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, अशोकनगर, गुना और दतिया सहित अन्य जिलों की लगभग 660 लघु सिंचाई योजनाएँ और 38 मध्यम एवं वृहद परियोजनाओं के बांध एवं नहर प्रणालियों में अत्यधिक क्षति हुई है। इससे लगभग 8 लाख हेक्टर क्षेत्र में रबी की सिंचाई प्रभावित होगी। उन्होंने बताया कि कृषकों को रबी की फसल हेतु सिंचाई सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए 15 अक्टूबर 2021 के पूर्व क्षतिग्रस्त नहरों एवं अन्य जल संरचनाओं की मरम्मत का कार्य पूर्ण किया जाना अति आवश्यक है। मंत्री सिलावट ने बताया कि उनके द्वारा सम्पूर्ण अंचल में भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया है।

प्रारंभिक सर्वेक्षण के आधार पर अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त बांधों, नहरों एवं अन्य जल संरचनाओं की मरम्मत, पुनर्निर्माण एवं पुनर्स्थापन हेतु 816 करोड़ रूपये का आंकलन किया गया है। मंत्री सिलावट ने मुख्यमंत्री चौहान से प्राक्कलन अनुसार धन राशि स्वीकृत करने तथा प्राथमिक आधार पर लगभग 300 करोड़ रूपये की राशि त्वरित रूप से स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

अतिवृष्टि से प्रभावित हुई सिंचाई परियोजनाएँ

मंत्री सिलावट ने बताया कि अतिवृष्टि से बांधों एवं नहर प्रणालियों में अत्याधिक क्षति हुई है। ग्वालियर-चंबल अंचल के अपर ककेटो, ककेटो एवं हर्सी बांध, आबदा बांध एवं महुअर बांधों के जलग्रहण क्षेत्र में अतिवृष्टि होने से बांध के डाउनस्ट्रीम में निर्मित गाईड वाल, स्ट्रिलिंग बेसिन, वेस्ट वियर के फॉल इत्यादि क्षतिग्रस्त हुये हैं। उन्होंने बताया कि इन बांधों की मरम्मत एवं पुनर्स्थापन में लगभग 85 करोड़ रूपये का व्यय संभावित है। इसी तरह श्योपुर, मुरैना एवं भिण्ड जिलों के 3 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई करने वाली चंबल नहर परियोजना सर्वाधिक रूप से प्रभावित हुई है। 169 किलोमीटर लंबी मुख्य सी.आर.एम.सी. लगभग 85 जगहों पर पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गयी है। इसके अतिरिक्त डिस्टीब्यूटरी, माईनर एवं सब-माईनर नहरों में लगभग 20 प्रतिशत की क्षति हुई है। प्रारंभिक तौर पर 3200 किलोमीटर लम्बाई की नहर प्रणाली के सुधार कार्यो में लगभग 250 करोड़ रूपये की आवश्यकता होगी।

मंत्री सिलावट ने बताया कि राजघाट नहर परियोजना की 244 किलोमीटर लंबी मुख्य नहर अनेकों स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गयी है। इससे दतिया, भिण्ड एवं शिवपुरी जिलों में दो लाख एक हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रभावित होगी। इसके अतिरिक्त डिस्ट्रीब्यूटरी माईनर एवं सबमाईनर नहरों में लगभग 15 प्रतिशत की क्षति हुई है। प्रारंभिक तौर पर नहर प्रणाली के सुधार कार्यों में लगभग 40 करोड़ रूपये की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि हर्सी नहर प्रणाली के क्षतिग्रस्त होने से ग्वालियर जिले की 66 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सिंचाई प्रभावित होगी।

प्रारंभिक तौर पर 500 किलोमीटर नहर प्रणाली के सुधार कार्यों में लगभग 25 करोड़ रूपये की आवश्यकता होगी। इसी तरह महुअर नहर प्रणाली के क्षतिग्रस्त होने से शिवपुरी जिले की 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सिंचाई प्रभावित होगी। प्रारंभिक तौर पर नहर प्रणाली के सुधार कार्यों में लगभग 20 करोड़ रूपये की आवश्यकता होगी। सिंध एवं हसी उच्च स्तरीय नहर प्रणाली के क्षतिग्रस्त होने से शिवपुरी, दतिया एवं ग्वालियर जिलों की एक लाख 3 हजार 500 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सिंचाई प्रभावित होगी। प्रारंभिक तौर पर नहर प्रणाली के सुधार कार्यों में लगभग 15 करोड़ रूपये की आवश्यकता होगी।

श्योपुर में सफाई का कार्य अभियान के रूप में जारी

श्योपुर को स्वच्छतम शहर बनाया जायेगा - मंत्री भूपेन्द्र

भोपाल (राघवकीर्ति)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार बाढ़ से गंभीर रूप से प्रभावित श्योपुर को स्वच्छतम शहर बनाया जायेगा। श्योपुर में सफाई का कार्य अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। आगामी 3 दिन में शहर को पूरी तरह साफ-सुथरा करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इसके बाद भी सफाई अभियान लगातार जारी रहेगा। श्योपुर में 2 अधीक्षण यंत्री एवं अतिरिक्त रूप से 3 सीएमओ और 4 उपयंत्री और 200 सफाई कर्मचारी लगातार कार्य में लगे हैं।

श्योपुर में वर्तमान में 13 जेसीबी, 6 डम्पर, 7 सीवर सक्शन मशीन, 3 जेटिंग मशीन, 26 ट्रेक्टर-ट्रॉली, 15 ट्रेक्टर स्क्रेपर और 6 फायर फाइटर सहित अन्य उपकरण और मशीन सफाई एवं अन्य कार्यों में लगायी गयी है।

105 ट्यूबवेल चालू

श्योपुर में पेयजल व्यवस्था पूरी तरह से बहाल कर दी गयी है। कुल 106 ट्यूबवेल में से 105 चालू कर दिये गए हैं। आवश्यकतानुसार टैंकर भी लगाये गये हैं।

अतिरिक्त स्टाफ

श्योपुर में आगे भी विकास कार्यों की गतिशीलता के लिए नए मुख्य नगर पालिका अधिकारी की पद-स्थापना के साथ ही 2 अतिरिक्त सब इंजीनियर और 2 स्वच्छता निरीक्षक एवं एक लेखा अधिकारी की पद-स्थापना की गयी है। क्षतिग्रस्त मकानों के सर्वे का कार्य जारी है। सर्वे के बाद पात्रतानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी।

राहत शिविर

अत्यधिक वर्षा के कारण मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इससे प्रभावित परिवारों को 7 राहत शिविरों में रखा गया है। यहाँ भोजन, पानी, बिस्तर आदि की व्यवस्था की गयी है। मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट कंपनी और नगर पालिक निगम भोपाल, इंदौर, ग्वालियर एवं अन्य निकायों द्वारा 2000 कंबल और 1000 जोड़ी ड्रेस तथा अन्य राहत सामग्री भेजी गई है। साथ ही 20 हजार फूड पैकेट शहरी क्षेत्र में प्रतिदिन वितरित किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी फूट पैकेट वितरित किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने रोपा सप्तपर्णी का पौधा

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट उद्यान में आज सप्तपर्णी का पौधा रोपा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजेंद्र शुक्ल भी साथ थे। मुख्यमंत्री चौहान अपने संकल्प के क्रम मे प्रतिदिन पौधा लगा रहे हैं। सप्तपर्णी, एक सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है।

अंकुर अभियान में अब तक 2 लाख 37 हजार से अधिक लोगों ने की भागीदारी

भोपाल (राघवकीर्ति)। पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग ने बताया कि अंकुर अभियान में अब तक प्रदेश के 2 लाख 37 हजार से अधिक लोगों द्वारा रजिस्ट्रेशन कर पौधरोपण किया जा रहा है। इनमें एक लाख 63 हजार से अधिक पुरूष और 74 हजार महिलाएँ शामिल हैं। प्रदेश में अब तक 2 लाख 19 हजार से अधिक प्रथम फोटो वायुदूत एप पर अपलोड की जा चुकी हैं। इसमें से सर्वाधिक 32 हजार 693 फोटो शिवपुरी जिले से हैं। इसी तरह 14 हजार से अधिक वायुदूत पर अपलोडेड दूसरी फोटो में से सर्वाधिक बुरहानपुर जिले में 2,246 लोगों ने की है।

'अंकुर' अभियान का उद्देश्य हरित क्षेत्र में वृद्धि के साथ प्रदेश को स्वच्छ पर्यावरण और प्राणवायु से समृद्ध प्रदेश बनाना है। कार्यक्रम में फलदार-छायादार वृक्षों का पौधरोपण और देखभाल करने वाले जिलेवार चयनित विजेताओं को मुख्यमंत्री 'प्राणवायु' अवार्ड से सम्मानित कर प्रमाण-पत्र प्रदान करेंगे। विजेताओं को 'वृक्षवीर' और 'वृक्ष वीरांगना' के रूप में जाना जायेगा। विजेताओं में 50 प्रतिशत पुरुष और 50 प्रतिशत महिलाएँ होंगी। इसी तरह आधे पुरस्कार ग्रामीण और आधे शहरी क्षेत्र के लिये होंगे। कार्यक्रम में भाग लेने के लिये प्रतिभागियों को गूगल प्ले स्टोर से 'वायुदूत एप' डाउनलोड कर पंजीयन कराना होगा। अभियान के प्रथम चरण के प्रथम फोटो 30 सितंबर 2021 तक और दूसरी फोटो 31 अक्टूबर 2021 तक अपलोड की जा सकती है।

प्रतिभागियों को स्वयं के संसाधन से कम से कम एक पौध का रोपण कर पौधे की फोटो तथा एक माह बाद रोपित पौधे की नई फोटो पुनः एप पर डाउनलोड करना होगी। प्रतिभागी सहभागिता प्रमाण-पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिये पर्यावरण नियोजन समन्वय संगठन (एप्को) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। पौध-रोपण घर के आँगन, शासकीय, अशासकीय भूमि, सामुदायिक स्थानों पर किये जा सकेंगे। पौध-रोपण के पहले प्रतिभागी को संबंधित भू-स्वामी से सहमति लेनी होगी। शासकीय और सामुदायिक स्थल पर किये गये पौध-रोपण से भविष्य में होने वाले लाभों के प्रथम हकदार समाज या राज्य शासन होंगे। यह शर्त निजी भूमि पर लागू नहीं होगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने उड्डयन मंत्रालय के प्रस्ताव पर दी सहमति

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि रीवा से भोपाल और इंदौर के लिए फ्लाइट जल्द शुरू होगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से फ्लाइट शुरू करने के लिए प्राप्त निविदा की राशि देने के लिए राज्य सरकार की ओर से सहमति प्रदान कर दी गई है।

पूर्व मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज मुख्यमंत्री चौहान से भेंट कर नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा चाहे गए राज्य के 100 प्रतिशत वी.जी.एफ. अंशदान देने के लिए अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री चौहान ने इस संबंध में तत्काल सहमति-पत्र भेजने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि रीवा, इंदौर और भोपाल के बीच 72 सीटर विमान सेवा जल्द शुरू होगी। मुख्यमंत्री चौहान से पूर्व मंत्री शुक्ल ने आग्रह किया कि रीवा से हवाई सेवा प्रारंभ करने से रीवा और आसपास के क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने विंध्य क्षेत्र के पत्रकारों से भेंट की

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मीडिया प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ है। विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम द्वारा पत्रकारों को विधानसभा की अध्ययन यात्रा पर आमंत्रित करना सार्थक पहल है।

मुख्यमंत्री चौहान विधानसभा की कार्यप्रणाली से अवगत होने आए विंध्य क्षेत्र के पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा भवन में विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के कक्ष में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि संचार माध्यमों से शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रचार-प्रसार में मदद मिलती है। साथ ही जनता की समस्याओं के संबंध में भी शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित होता है।

प्रजातंत्र के विभिन्न स्तंभों के मध्य परस्पर संवाद आवश्यक है, जिसके लिए ऐसी अध्ययन यात्राओं का आयोजन आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने भी रीवा, सतना से आए पत्रकारों को संबोधित किया।

जैन सोशल ग्रुप सार्थक का दायित्व ग्रहण सम्पन्न

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के साथ हुआ। जिसके पश्चात सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि विनोद बरबोटा जे.एस.जी. म.प्र. रीजन अध्यक्ष द्वारा आगामी कार्यकाल के लिए शपथ दिलवाई। जिसमें अध्यक्ष पद पर संजय सूर्या, सचिव पद पर हर्ष चोपड़ा, उपाध्यक्ष पद पर पीयूष डागा एवं रश्मि पटनी, कोषाध्यक्ष रौनक भंडारी, सह कोषाध्यक्ष प्रसन्न कासलीवाल, सहसचिव पद पर यतीन्द्र मोदी एवं संदीप पतंगिया, पीआरओ के पद पर पवन संचेती और प्रिया नांदेचा को स्थापित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राजस्थानी नृत्य रहा। विशेष अतिथि के रूप में जेएसजीआईएफ उपाध्यक्ष हेमंत जैन, अंतरराष्ट्रीय डायरेक्टर जयंतीलाल फाफरिया, अभिषेक सेठिया, रीजन सचिव राहुल चपलोत, रीजन सहसचिव जितेन्द्र रुनवाल, रीजन कमिटी चैयरमेन मुकेश बुपक्या मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सार्थक संस्थापक अध्यक्ष एवं रीजन उपाध्यक्ष अमित कावड़िया ने की। इसी दौरान रीजन अध्यक्ष विनोद बरबोटा द्वारा धीरेंद्र जैन को म.प्र. रीजन क्रिकेट कमिटी एवं शैलेन्द्र जैन को म.प्र. रीजन अवार्ड कमिटी चैयरमेन भी घोषित किया गया। कार्यक्रम का आभार सचिव हर्ष चोपड़ा ने माना एवं जानकारी पीआरओ प्रिया नांदेचा ने दी।

उज्जैन के पहले ब्यूटीशियन क्लब का गठन, 200 सदस्य बनाए

उज्जैन (राघवकीर्ति)। पहली बार उज्जैन में ब्यूटीशियन के क्लब का गठन अध्यक्ष आरती सोनी और उपाध्यक्ष समीक्षा व्यास के नेतृत्व में हुआ।

चेरी ब्यूटी क्लब में 200 ब्यूटीशियन सदस्य बनाए गए और 11 पदाधिकारी बनाये गये। माही ब्यूटी पार्लर पर राष्ट्रीय प्रमुख अंतिम जैन, म.प्र. के क्लब संचालक जगदीश राजपूत व महाराष्ट्र के हेयर आर्टिस्ट सचिन सूर्यवंशी उपस्थित थे। सभी ब्यूटीशियन को हेयर स्टाईल एवं हेयर कटिंग का फ्री वर्कशॉप भी दिया गया।

भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान एवं प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

इंदौर (राघवकीर्ति)। कृषि समुदाय, कृषि और संबद्ध उद्योग, अकादमिक और समाज को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी विकास और विस्तार गतिविधियों में सहयोग तथा कार्य को शुरू करने के उद्देश्य से भा.कृ.अनु.प. - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (भा.कृ.अनु.प.-भा.सो.अनु.प.), इंदौर और प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पी.आई.ई.एम.आर.), इंदौर के बीच समग्र रूप से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, निदेशक डॉ नीता खांडेकर ने वैज्ञानिकों की एक टीम के साथ दिनांक 5 अगस्त 2021 को पी.आई.ई.एम.आर. का दौरा किया और दोनों संस्थानों के बीच सामान्य अनुसंधान हितों और संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्रों पर विचार-विमर्श की तथा देश में सोयाबीन की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास, विस्तार, परामर्श एवं प्रशिक्षण गतिविधियाँ के लिए दीर्घकालिक सहयोग करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ एम. देशपांडे, ने निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, वैज्ञानिक और पी.आई.ई.एम.आर. कर्मचारियों का स्वागत किया और किसानों तक प्रौद्योगिकियों को पहुंचाने के संबंध में सहयोगी कार्यक्रम की आवश्यकताओं पर जोर दिया। डॉ. जॉली मसीह ने पी.आई.ई.एम.आर. में विकसित प्रौद्योगिकियों जैसे सेंसर और ड्रोन प्रौद्योगिकियों द्वारा फसल निगरानी, मृदा मानचित्रण (मैपिंग), मिट्टी संरचना विश्लेषण, एन-सामग्री, खरपतवार प्रबंधन, सेंसर आधारित ग्रीन हाउस और रोग निगरानी प्रणाली तथा किसानों को खेती के लिए आवश्यक विभिन्न आदानों हेतु डीलरों का पता लगाने संबंधित मार्गदर्शन करने हेतु विकसित उर्वरक ऐप पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। डॉ. डेविस जैन, अध्यक्ष, पीआईईएमआर ने खेतों में किसानों के उत्थान की दिशा में दो संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रयोगशाला से खेतों तक कार्य करने पर जोर दिया तथा दोनों संस्थानों से पी.आई.ई.एम.आर. में विकसित प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग और कैलिब्रेशन पर काम करने का आग्रह किया, ताकि किसानों के खेत में व्यावहारिक प्रयोज्यता हो सके। डॉ. नीता खांडेकर ने अपने संबोधन में उत्पादन को दोगुना करने के लिए सटीक कृषि और मशीन लर्निंग मॉड्यूल की आवश्यकता के बारे में चर्चा की। उन्होंने दोनों संस्थानों के बीच विचारों के आदान-प्रदान, सहयोगी अनुसंधान परियोजना के विकास की आवश्यकता पर जोर दीया। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद, टीम ने पी.आई.ई.एम.आर. की सुविधाओं, विशेष रूप से स्वचालित यंत्र और रोबोट विभाग का दौरा किया एवं ड्रोन तथा सेंसर आधारित ग्रीन हाउस प्रबंधन के अनुप्रयोग को भी देखा।

डॉ नीता खांडेकर पीआईईएमआर, इंदौर संकाय (स्टाफ) को संबोधित करते हुए प्रोटोटाइप प्रयोगशाला का दौरा किया।

इससे पहले, संस्थान ने तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद; इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ; कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर; उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल; कोटा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा; बरकातुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल एवं सेंट अलॉयसियस कॉलेज, (स्वायत्त) रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के साथ अनुसंधान और उच्च शिक्षा के लिए समझौता ज्ञापन पर भी वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में हस्ताक्षर किए हैं। इन प्रयासों से उद्योग के लिए तैयार गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और प्रशिक्षण जनशक्ति को तेज करने में मदद मिलेगी।

संगीतमय संध्या में गूंजा 'मेघा रे मेघा रे'

संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले श्रेष्ठ गायक-गायिकाओं का हुआ सम्मान

उज्जैन (राघवकीर्ति)। प्रार्थना म्यूजिकल ग्रुप द्वारा मंगलवार शाम संगीतमय संध्या 'मेघा रे मेघा रे' का आयोजन किया गया। जिसमें संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले श्रेष्ठ गायक-गायिकाओं का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

संयोजक अतहर आलम ने बताया कि संगीतमय शाम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक राजेंद्र भारती मौजूद रहे। इस अवसर पर ग्रुप के द्वारा शहर की सुप्रसिद्ध गायिका संध्या गरवाल, सोनाली रघुवंशी, गायक मास्टर मन्नू खान, हर्षदीप सोनाने को सम्मानित किया गया। सुरमई शाम के इस रंगीन मौके पर शहर के नवोदित गायक गायिकाओं ने एक से बढ़कर एक सुरीली प्रस्तुतियां दी। स्वागत भाषण कार्यक्रम की अध्यक्ष सिया ठाकुर ने दिया तथा संचालन राजेश सारड़ा द्वारा किया गया। सोनाली रघुवंशी के अनुसार इस मौके पर समाजसेवी मकसूद पठान, फिरोज खान, अकरम खान, लक्ष्मी जिनवाल आदि विशेष रूप से मौजूद रहे। आभार अतहर आलम ने माना।

कार्यक्रम में किया सम्मान

उज्जैन (राघवकीर्ति)। नलखेड़ा टेंट एसोसिएशन द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें फेडरेशन ऑफ मध्य प्रदेश टेंट एसोसिएशन के महासचिव राजेश हार्डिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुन्ना वर्मा, महासचिव अमित खनूजा, उज्जैन संभाग प्रभारी समीर उल हक, इंदौर टेंट एसोसिएशन के सचिव मनोज कोठारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ौद, सुसनेर, कानड़ और नलखेड़ा के पदाधिकारियों का स्वागत फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। कानड़ के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा एवं सचिव यासीन मंसूरी एवं उपाध्यक्ष राजेश शर्मा का सम्मान किया गया। सुसनेर के अध्यक्ष भूपेंद्र सावला, सचिव मनोज सुमन एवं उपाध्यक्ष असलम भाई का सम्मान किया गया। बड़ौद के अध्यक्ष श्याम भावसार, सचिव मुकेश मोदी, उपाध्यक्ष मुजफ्फर भाई का सम्मान किया गया। नलखेड़ा के अध्यक्ष प्रवीण सकलेचा, सचिव बद्रीलाल अकेला एवं उपाध्यक्ष रहमान भाई का सम्मान किया गया। संचालन नलखेड़ा के सचिव बद्रीलाल अकेला ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा नलखेड़ा के उपाध्यक्ष रहमान साहब ने की।

तरणताल स्थित प्रेस क्लब का आधा हिस्सा सिटी प्रेस क्लब को दिया जाए

पत्रकारों ने दिया निगम कमिश्नर को ज्ञापन

उज्जैन (राघवकीर्ति)। तरणताल स्थित प्रेस क्लब भवन का आधा हिस्सा सिटी प्रेस क्लब को देने की मांग निगमायुक्त से की गई। मंगलवार की दोपहर नगर निगम भवन में वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति में निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल को ज्ञापन भेंट किया गया और तरणताल स्थित हॉल में से पार्टीशन कर आधा भाग सिटी प्रेस क्लब को देने की मांग की गई एवं बताया गया कि दो प्रेस क्लब होने के कारण अलग-अलग स्थानों पर दो पत्रकारवार्ताएं आयोजित करना पड़ती है। जब प्रेस क्लब बनाया गया था तब एक ही प्रेस क्लब था और वरिष्ठ पत्रकारों के सानिध्य में प्रेस क्लब का हॉल तैयार हुआ था। सोसायटी फॉर प्रेस क्लब से अधिकांश फाउंडर मेंबरों को षड़यंत्र कर निकालने के बाद सिटी प्रेस क्लब बनाया गया तथा मुख्य पत्रकार एवं स्थानीय समाचार पत्रों के मालिक सिटी प्रेस क्लब के सदस्य हैं। अतः वर्तमान में जो प्रेस क्लब का हॉल है उसके बीच दीवार खींचकर आधा हिस्सा संस्था को दिया जाए। इस संबंध में जो लीज टैंडर का पत्र है वह भी सौंपा गया और निगमायुक्त से मांग की गई कि इस पूरे विषय को गंभीरता से लेकर कार्यवाही करें। उल्लेखनीय है कि चुनाव जीतने के लिए पिछले चुनाव में पूर्व अध्यक्ष रमेश दास, शैलेन्द्र कुल्मी तथा अन्य वरिष्ठ 25 पत्रकारों को बिना किसी कारण के संस्था से हटाया गया था और इसके बाद गैर पत्रकारों की बड़ी संख्या में भर्ती की गई।

लायंस क्लब उज्जयिनी का दायित्व बोध समारोह सम्पन्न

उज्जैन (राघवकीर्ति)। शहर के सर्वप्रथम एवं सीनियर क्लब लायंस क्लब उज्जयिनी का दायित्व बोध समारोह एम.जे.एफ.ला. भगवानदास एरन पूर्व डिस्ट्रिक गर्वनर के आतिथ्य में तथा सोनू गेहलोत पूर्व सभापति नगर पालिका निगम उज्जैन के विशिष्ठ आतिथ्य में होटल सुराना पैलेस में संपन्न हुआ। इसमें पूर्व डिस्ट्रिक गर्वनर एम.जे.एफ. लायन आर. जी. पाठक द्वारा शपथ अधिकारी होकर उनके द्वारा दायित्व बोध कराया गया।

विद्युत विभाग से 37 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए मालवीय

उज्जैन (राघवकीर्ति)। विद्युत विभाग से 37 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए तेजू मालवीय का सेवानिवृत्त होने पर कार्यालय पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यपालन यंत्री जितेंद्र भारती ने सेवानिवृत्त हुये तेजु मालवीय को पुष्प माला पहनाकर शाल श्रीफल व स्मृति चिन्ह के रूप में बाबा महाकाल का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहायक यंत्री संदीप उपाध्याय, सोनेन्द्र सिंह परिहार, संचालक कमल नरवरिया, जगदीश हार्डिया, विक्रम तोमर, ब्रजराज सिंह कुशवाहा, मादुसिंह सोलंकी, अजय सिंदल, गोविंद मालवीय, जीवन मालवीय, सीताराम चौहान, माणक लाल राठौर, भरत रंडवासिया, मदनलाल मालवीय, अनिल प्रजापत, गौतम सिंदल, मनीष परमार मोजूद थे। आभार कमलसिंह सोलंकी ने माना। इस मौके पर अतिथियों ने संबोधित करते हुए तेजू मालवीय के कार्यों की प्रशंसा की तथा कहा कि शासकीय विभाग में बिना किसी आरोप सेवाकाल पूर्ण हो जाना बहुत बड़ी बात है और मालवीयजी ने बेदाग सेवा दी।

डायवर्सन क्या है, कब और कैसे करवाया जा सकता है, डायवर्सन प्रक्रिया की अधिकांश जानकारी अब मिलेगी एक क्लिक पर

इंदौर (राघवकीर्ति)। डायवर्सन क्या है, इसे कब और कैसे करवाया जा सकता है, डायवर्सन की फीस क्या है सहित डायवर्सन प्रक्रिया की अधिकांश जानकारी एक क्लिक पर पायी जा सकती है। आमजन की सुविधा के लिये यह जानकारी भू-लेख पोर्टल और आरसीएमएस पोर्टल पर उपलब्ध करायी गई है। इससे अब आमजन को डायवर्सन की जानकारी और प्रक्रिया के लिये भटकना नहीं होगा। पोर्टल पर क्लिक कर उक्त जानकारियां सहजता से पायी जा सकती है।

कलेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि इससे आमजन को जानकारियां प्राप्त होगी। जिन भूमियों का अभी तक डायवर्सन नहीं हुआ है, उसके डायवर्सन के लिये भी लोग आगे आयेंगे। डायवर्सन कराने में लोगों को सहुलियत होगी। व्यपवर्तन के सम्बन्ध में व्यपवर्तन की सूचना, बिना सूचना, बिना सूचना व्यपवर्तन, पूर्व में किये गए व्यपवर्तन प्रकरणों की डाटा एंट्री आदि मॉड्यूल भूलेख पोर्टल एवं आर. सी. एम. एस पोर्टल पर उपलब्ध कराये गए हैं। उनके उपयोग एवं उससे सम्बंधित समस्याओं के सम्बन्ध में अनेक प्रश्न रहते हैं। इन प्रश्नों का संकलन एवं उनके विधि अनुरूप उत्तर भू-अभिलेख आयुक्त कार्यालय ग्वालियर द्वारा तैयार किये गए हैं।

कलेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि व्यपवर्तन से सम्बंधित प्रश्न एवं उनके उत्तर को भूलेख पोर्टल एवं आर. सी. एम. एस पोर्टल पर अपलोड किया गया है जो आमजन के लिये उपलब्ध है। पोर्टल में व्यपवर्तन/डायवर्सन से क्या आशय है ? डायवर्सन कब एवं किस स्थिति में किया जाना चाहिए ? डायवर्सन किस माध्यम द्वारा किया जा सकता हैं एवं प्रक्रिया कैसे पूर्ण की जा सकती हैं ? व्यपवर्तन कराने हेतु कौन कौन से शुल्क देना होंगे ? डायवर्सन हेतु जमा की जाने वाली राशि की गणना कैसे करें ? डायवर्सन हेतु किस माध्यम से राशि जमा की जा सकती है ? क्या डायवर्सन शुल्क में प्रीमियम एक ही बार दिया जाता हैं ? क्या पूर्व से किसी एक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तित भूमि को किसी दूसरे प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किया जा सकता है? डायवर्सन कब किया जाना चाहिए? क्या पहले से किसी अन्य प्रयोजन में ली जा रही भूमि या पहले से किये गए निर्माण का भी डायवर्सन किया जाना चाहिए? क्या डायवर्सन किया जाना जरूरी है, एवं नहीं किया जाने पर क्या कार्यवाही की जा सकती है? क्या व्यपवर्तन की सूचना के आवेदन को रद्द किया जा सकता है? क्या किसी खसरा क्रमांक के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का व्यपवर्तन किया जाना आवश्यक है या आंशिक क्षेत्रफल का भी व्यपवर्तत किया जा सकता है? क्या एक ही खाते के विभिन्न खसरों का एक साथ व्यपवर्तन किया जा सकता है? क्या अलग-अलग खातों के अलग-अलग खसरों का एक साथ व्यपवर्तन किया जा सकता है? क्या व्यपवर्तन की राशि को परिवर्तित किया जा सकता है? व्यपवर्तन में समस्या आने पर कहा सम्पर्क किया जा सकता है? पोर्टल पर व्यपवर्तन राशि के भुगतान के पश्चात् यह कैसे कन्फर्म किया जा सकता है कि भुगतान की राशि शासन के खाते में जमा की जा चुकी है ? व्यपवर्तन की सूचना का आवेदन तथा अन्य सबन्धित दस्तासवेज डाउनलोड नहीं हो रहे है ? क्या आवेदक का भूमिस्वामी होना अनिवार्य है? क्या संस्था भूमि स्वामी के रूप में डायवर्सन के लिए आवेदन कर सकती है? क्या उपयोगकर्ता एक ही आवेदन में एक या अधिक व्यपवर्तन प्रयोजनों के लिए आवेदन कर सकता है? भूमि क्षेत्रफल का माप यदि एकड/दशमलव/हेक्टेयर/वर्ग फुट में है, क्या पोर्टल इस माप को स्वीकार करेगा? क्या डायवर्सन आवेदन करते समय पृथक से खसरा और नक्शा की प्रति आवश्यक है ? क्या ऑफ़लाइन चालान का उपयोग व्यपवर्तन की सूचना ऑनलाइन देने के लिए किया जा सकता है? उपयोगकर्ता द्वारा व्यपवर्तन की सूचना का आवेदन गलत प्रयोजन अथवा गलत क्षेत्रफल चयन किये जाने की स्थिति में क्या रद्द किया जा सकता है? सहित व्यपवर्तन संबंधी अनेक प्रश्नों के उत्तर पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

इंदौर जिले में पौने 17 हजार से अधिक लोगों को लगाये गये कोविड के टीके

इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर जिले में कोरोना की रोकथाम के लिये टीकाकरण अभियान लगातार जारी है। इस अभियान के तहत सोमवार 9 अगस्त को 133 टीकाकरण केन्द्रों पर टीकाकरण किया गया। इस दिन जिले में कुल पौने 17 हजार से अधिक लोगों को टीके लगाये गये।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या ने बताया कि जिले में इस दौरान 18 से 44 वर्ष के 7 हजार 58 को पहला तथा 4 हजार 358 को दूसरा डोज लगाया गया। इसी तरह 45 से 60 वर्ष आयु समूह के एक हजार 192 लोगों को प्रथम तथा दो हजार 298 लोगों को दूसरा डोज लगाया गया। इसी प्रकार 60 वर्ष से अधिक आयु के 410 लोगों को प्रथम डोज तथा 985 लोगों को दूसरा डोज लगाया गया। जिले में शेष टीके हेल्थकेयर वर्कर तथा फ्रंटलाइन वर्करों को लगाये गये।

खेल अकादमियों में प्रवेश के लिये पंजीयन प्रक्रिया हुई प्रारंभ

18 खेलों में दिया जायेगा खेल अकादमियों में प्रवेश

इंदौर (राघवकीर्ति)। प्रदेश में स्थित विभिन्न खेल अकादमियों में प्रवेश के लिये पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक प्रतिभावान खिलाड़ी 18 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते है। इस पंजीयन के आधार पर टेलेन्ट सर्च का आयोजन 24 अगस्त से 4 सितम्बर के बीच किया जायेगा। इसके माध्यम से खेल अकादमियों में 18 खेलों के लिये प्रवेश मिलेगा।

यह जानकारी टेलेन्ट सर्च आयोजन के लिये गठित की गई जिला स्तरीय समिति की पहली बैठक में दी गई। बैठक में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मीररंजन नेगी, इंदौर बेडमिंटन संघ के आरपीएस नैयर सहित विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारी, डीएसपी अजित सिंह चौहान और जिला खेला एवं युवा कल्याण अधिकारी जोसेफ बक्सला भी मौजूद थे।

बैठक में बक्सला ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के सहयोग से टेलेंट सर्च का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सातवीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के बालक, बालिका खिलाडी जिसकी आयु कम से कम 12 वर्ष से अधिक हो वे भाग ले सकेंगे। टेलेन्ट सर्च का आयोजन 24 अगस्त से चार सितम्बर के मध्य जिला मुख्यालय पर किया जाएगा।

इसके माध्यम से विभिन्न खेल अकादमियों में प्रवेश मिलेगा। टेलेन्ट सर्च हेतु इच्छुक खिलाडी ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन 18 अगस्त तक करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन फार्म http://dsywmp.gov.in/tal-entsearchw®wv पर उपलब्ध है। प्रतिभावान खिलाड़ियों से आग्रह किया गया है कि वे इस अवसर का पूरा लाभ लें। अपना पंजीयन करवायें और अधिक से अधिक संख्या में खेल अकादमियों में प्रवेश लेवें।

विद्यार्थी भर सकते है छात्रवृत्ति और आवास सहायता के आवेदन

इंदौर (राघवकीर्ति)। वर्ष 2020-21 के लिए एमपी ट्रांस स्कॉलरशिप पोर्टल पर छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्र-छात्राओं जो शासकीय अशासकीय विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों में अध्ययनरत हैं वह आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने वाला पोर्टल शुरू हो गया है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पात्र विद्यार्थी पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विद्यार्थी जिस विषय के लिए अध्ययन कर रहे हैं अपने दस्तावेजों को स्केन कर अनिवार्य रूप से अपलोड करें।

अपर कलेक्टर डॉ. बेडेकर को दिया गया सचिव रेडक्रॉस का प्रभार

इंदौर (राघवकीर्ति)। कलेक्टर श्री मनीष सिंह द्वारा प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से अपर कलेक्टर डॉ अभय बेडेकर को उनके वर्तमान दायित्व के साथ-साथ सचिव रेडक्रॉस का कार्य सौंपने के आदेश जारी किये गये है।

अब व्हाट्सएप पर प्राप्त कर सकते कोविड टीकाकरण प्रमाण पत्र

इंदौर (राघवकीर्ति)। अब व्हाट्सएप के माध्यम से और mygov corona helpdesk के जरिए भी अपना टीकाकरण प्रमाणपत्र डाउनलोड किया जा सकता है। अपना टीकाकरण प्रमाणपत्र डाउनलोड करने के लिए https://t.co/jxqQDJHiR} पर टाइप कीजिए 'Covid Certificate' और अपना ओटीपी एंटर करने के पश्चात आप प्रमाण पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

जिले में अब तक 393.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

इंदौर (राघवकीर्ति)। कलेक्ट्रेट की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 1 जून से अब तक 393.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई हैं। इंदौर तहसील क्षेत्र में 329.6 मिलीमीटर, महू क्षेत्र में 345.5 मिलीमीटर, सांवेर क्षेत्र में 425.8 मिलीमीटर, देपालपुर क्षेत्र में 384.4 मिलीमीटर और गौतमपुरा क्षेत्र में 481 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई हैं। गत वर्ष इस अवधि में जिले में 462.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन

इंदौर (राघवकीर्ति)। कलेक्टर मनीष सिंह द्वारा जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के मध्य कार्य विभाजित किया गया है। कलेक्टर सिंह द्वारा सोमवार को जारी किये गये आदेशानुसार संयुक्त कलेक्टर शाश्वत शर्मा को अनुविभागीय अधिकारी एवं दण्डाधिकारी कनाड़िया का नवीन प्रभार सौंपा गया है। इसी के साथ संयुक्त कलेक्टर शर्मा को प्रभारी अधिकारी लोक सेवा गारन्टी, वरिष्ठ लिपिक शाखा, विभागीय जांच, चरित्र सत्यापन, इन्दौर सी.एस.आर. फाउण्डेशन सम्बंधी कार्य, पेयजल/आडिट शाखा, ई-गवर्नेस शाखा, एन.जी.टी., कलेक्टर सहभागिता समिति एवं कलेक्टर हेल्प लाईन समाधन समिति, शिकायत, प्रभारी एवं अन्य मंत्री एवं संभागायुक्त से प्राप्त शिकायतों का निराकरण, पी.जी.आर. शाखा, रेडक्रास, आवक शाखा, जावक शाखा, राज्य बिमारी सहायता एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रकरण, प्रतिलिपि शाखा, ई-आफिस कार्य प्रणाली का क्रियान्वयन, जे.सी. शाखा, पी.सी. एन्ड पी.एन.डी.टी.एक्ट शाखा तथा कोविड-19 के अन्तर्गत सराफा, पढरीनाथ एवं छत्रीपुरा थाना क्षेत्र का प्रभार सौंपा गया है। इसी तरह डिप्टी कलेक्टर श्री अक्षय सिंह मरकाम को अनुभाग जूनी इन्दौर क्षेत्रान्तर्गत प्राप्त जाति प्रमाण पत्र, प्रकरण का निराकरण अनुविभागीय अधिकारी एवं दंडाधिकारी जूनी इन्दौर की हैसियत से करेंगे। उक्त प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी जूनी इन्दौर के दायरे में पंजीकृत होंगे। इसी के साथ डिप्टी कलेक्टर श्री मरकाम कोविड-19 के अन्तर्गत तिलकनगर, खजराना एवं कनाडिया थाना क्षेत्र में कार्य देखेंगे।

सचिव की अध्यक्षता में राज्य साधिकार समिति गठित

इंदौर (राघवकीर्ति)। राज्य शासन ने अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों के लिए आयुष आधारित आर्थिक उन्नयन योजना 'देवारण्य' के क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं नीति निर्धारण के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य साधिकार समिति का गठन किया है।

राज्य साधिकार समिति द्वारा 'देवारण्य' के क्रियान्वयन के लिए रोडमैप का निर्धारण करना, अंतर्विभागीय समन्वय, केंद्र प्रवर्तित व राज्य बजट की योजनाओं तथा अन्य कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का आयुष सेक्टर के विकास के समुचित उपयोग के लिए कार्य-योजना तैयार करेगी। इसके अलावा समिति देवारण्य योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेज सुनिश्चित करने के लिए नीति क्षेत्र जैसे उद्यमी, उद्योग संस्थान, सामाजिक संस्थान आदि की सहभागिता करना, योजना के समस्त विकल्पों एवं संभावनाओं का परीक्षण कर नीति निर्धारण करेगी। इसके साथ समय-समय पर देवारण्य योजना की समीक्षा की जायेगी।

अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव वन, जनजातीय कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम, पर्यटन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, विभाग समिति के सदस्य होंगे।

इसके अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, कान्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री/ अन्य औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि तथा देश के प्रतिष्ठित आयुष संस्थानों/ वैचारिक संस्थानों के प्रतिनिधि समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

श्रमोदय आवासीय विद्यालय के लिए प्रवेश परीक्षा 17 अगस्त को

इंदौर (राघवकीर्ति)। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित श्रमोदय आवासीय विद्यालय के 2021-22 के शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा 17 अगस्त को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र विभाग की बेवसाइट hhhp:/www.shramodayvidyalay.mp.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

हाईकोर्ट की इंदौर खण्डपीठ में होगा ध्वजारोहण

इंदौर (राघवकीर्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2021 को सुबह 9 बजे मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खण्डपीठ परिसर में प्रशासनिक न्यायाधीश ध्वजारोहण करेंगे।

आयुक्त द्वारा प्रस्तावित एमआर 5 रोड का निरीक्षण

इंदौर (राघवकीर्ति)। आयुक्त सुश्री प्रतिभा पाल द्वारा इंदौर वायर फैक्ट्री चौराहा वीआयपी रोड से सुपर कॉरिडोर के मध्य प्रस्तावित एमआर 5 रोड का सुबह 8.30 बजे से निरीक्षण शुरू किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, सिटी इंजीनियर अशोक राठौर, सहायक यंत्री श्री नरेश जायसवाल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। विदित हो कि 55 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से प्रस्तावित एमआर 5 रोड जो कि इंदौर वायर फैक्ट्री से बडा बांगडदा तक मास्टर प्लान में प्रस्तावित 5.6 किलोमीटर लंबाई व 45 मीटर चौडाई से बनना प्रस्तावित है के संबंध में संबंधित अधिकारियों से विस्तार से जानकारी लेते हुए रोडमैप का भी अवलोकन किया। आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान रोड का सर्वे करने एवं रोड में आने वाली बाधाओं को चिंहाकिंत करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए संपूर्ण मार्ग का अवलोकन किया।

स्वत्वाधिकारी, मालिक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती मोहिनी उपाध्याय के लिए उदयरत्न ऑफसेट 52, घटकरपर मार्ग, फ्रीगंज, उजैन (म. प्र.) से मुद्रित जीजी-8 शांति अपार्टमेंट, 103, स्कीम 54, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक - श्रीमती मोहिनी उपाध्याय (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा) मोबा. नं. 9424481000 email- raghavkirti@gmail.com
RNI No. MPHIN/2007/22188